सांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि
PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार

" इंसान के शब्दों पर नहीं, उसके इरादों पर गौर कीजिए। कोई डाँटकर भला करना चाहता है, तो कोई मुस्कुराकर जड़ काटना चाहता है...!!

अज्ञात...

वर्ष–01 अंक–289 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, शनिवार 07 नवंबर 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य –2 रुपए

अवकाश संबंधी सूचना

सांध्य दैनिक नई दृष्टिबिंदु के सुधि पाठकों को दीपावली पर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।
सांध्य दैनिक नई दृष्टिबिंदु कार्यालय में दीपोत्सव के अवसर पर 8 व 9 नवंबर को कार्यालय में अवकाश रहेगा। आगामी अंक 10 नवंबर को प्रकाशित होगा।

संपादक सांध्य दैनिक नई दृष्टिबिंदु भिलाई

'वोट चोरी' के बाद अब 'हक चोरी' पर सियासी संग्राम, ललन सिंह के बयान से बैकफुट पर सरकार?

आलोक तिवारी / नईदिल्ली



बिहार चुनाव के बाद राष्ट्रीय राजनीति में नैरेटिव बदलता नजर आ रहा है। 'वोट चोरी' के आरोपों के बीच अब 'हक चोरी' का नया मुद्दा केंद्र सरकार के लिए मुसीबत बनता दिख रहा है। वजह बने हैं केंद्रीय पंचायती राज मंत्री ललन सिंह का एक बयान, जिसने विपक्ष को सरकार को घेरने का बड़ा हथियार दे दिया है।

क्या है पूरा मामला?

दरअसल, केंद्रीय मंत्री ललन सिंह का एक वीडियो सामने आया था, जिसमें वे कहते दिख रहे हैं कि अब सरकारी योजनाओं का पैसा बायोमेट्रिक और वोटर आईडी (EPIC नंबर) के जरिए मिलेगा, क्योंकि आधार कार्ड अब आसानी से कहीं भी बन जाता है। बयान पर विवाद बढ़ा तो मंत्री ने वीडियो को अपने सोशल मीडिया अकाउंट से डिलीट कर दिया, लेकिन तब तक देर हो चुकी थी। कांग्रेस समेत पूरे विपक्ष ने इसे लपक लिया।

राहुल गांधी का 'हक चोरी' वाला वार

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने इस बयान को आधार बनाकर सरकार पर सीधा हमला बोला है। राहुल का तर्क है कि अगर कल्याणकारी योजनाओं का लाभ वोटर आईडी से जोड़ा जाता है, तो रक्षकजैसी प्रक्रिया में जिन गरीबों, दलितों, पिछड़ों के नाम वोटर लिस्ट से काटे जाएंगे, वे ऑटोमेटिक राशन, पेंशन, आवास और मनरेगा जैसी योजनाओं से भी वंचित हो जाएंगे। राहुल गांधी इसे 'वोट चोरी के बाद हक चोरी' करार दे रहे हैं। विपक्ष का आरोप है कि सरकार वोट के साथ-साथ जनता का हक भी छीनने की तैयारी में है।

अमित शाह के बदले सुर से चर्चा तेज

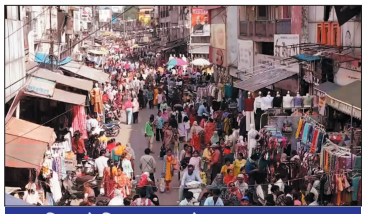
सियासी जानकारों का मानना है कि सरकार का रुख कई मुद्दों पर नरम पड़ता दिख रहा है। एसआईआर (SIR) के मुद्दे पर पहले गृह मंत्री अमित शाह का स्टैंड था कि यह चुनाव आयोग का मामला है, इस पर संसद में चर्चा नहीं हो सकती। अब खबर है कि सरकार संसद का विशेष सत्र बुलाकर इस मुद्दे पर चर्चा को तैयार है। इसे विपक्ष के दबाव का असर माना जा रहा है।

2026 का नया नैरेटिव?

शिक्षा, पेपर लीक, परीक्षाओं में धांधली और युवाओं के विरोध प्रदर्शनों के बीच विपक्ष अब आक्रामक मोड में है। राहुल गांधी द्वारा प्रधानमंत्री को खुली बहस की चुनौती और 'विदेशी एजेंट' जैसे आरोपों पर पलटवार के बाद सियासी घमासान और तेज होने के आसार हैं।

कुल मिलाकर 'वोट चोरी' के बाद 'हक चोरी' का यह नया विमर्श सरकार को बैकफुट पर धकेलता नजर आ रहा है, और आने वाले संसद सत्र में इस पर जबरदस्त हंगामा तय माना जा रहा है।

त्योहारी सीजन में रायपुर पुलिस सतर्क, ड्रोन से बाजारों की निगरानी



पुलिस ने किया 100 से ज्यादा वाहन जब्त

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

दीपावली त्योहारी सीजन में यातायात और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर कमिश्नरेट पुलिस सतर्क है। शहर के व्यस्ततम बाजार सदर बाजार, मालवीय रोड, जयस्तंभ चौक, पंडरी मार्केट, पुरानी बस्ती, भाठागांव में सुगम यातायात के लिए सघन पेट्रोलिंग जारी है। पुलिस ड्रोन कैमरों से 3D/एरियल निगरानी कर रही है।

नो-पार्किंग और बाधा उत्पन्न करने वाले वाहनों पर ई-चालान और क्रेन से जब्ती की कार्रवाई हो रही है। अब तक 100 से अधिक वाहनों को क्रेन से हटाया गया है।

पुलिस की अपील - वाहन निर्धारित पार्किंग में ही खड़ा करें। व्हाइट लाइन के भीतर ही पार्किंग करें। नो-पार्किंग और संकरे मार्ग पर वाहन न खड़ा करें।



कैशलेस चिकित्सा सुविधा की मंजूरी पर सीएम साय से मिलकर कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन ने जताया आभार

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर



मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से मुख्यमंत्री निवास में छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के प्रतिनिधिमंडल ने सौजन्य मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने प्रदेश के शासकीय अधिकारियों व कर्मचारियों एवं उनके आश्रित परिजनों के लिए कैशलेस चिकित्सा सुविधा को मंत्रिपरिषद की मंजूरी दिए जाने पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर फेडरेशन ने मुख्यमंत्री श्री साय को छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन की ओर से आयोजित किए जाने वाले अभिनंदन समारोह में शामिल होने के लिए आमंत्रित भी किया।

फेडरेशन के प्रतीय संयोजक श्री कमल वर्मा के नेतृत्व में पहुंचे प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि कैशलेस चिकित्सा सुविधा प्रदेश के अधिकारियों व कर्मचारियों की लंबे समय से प्रमुख मांग रही है। कैशलेस चिकित्सा सुविधा से विशेष रूप से गंभीर बीमारी और आकस्मिक उपचार की स्थिति में कर्मचारियों एवं उनके आश्रित परिजनों को बड़ी राहत मिलेगी। उपचार के लिए पहले बड़ी राशि की व्यवस्था करने और बाद में चिकित्सा प्रतिपूर्ति की प्रक्रिया से गुजरने जैसी कठिनाइयां कम होंगी। इससे लाखों शासकीय सेवकों और उनके परिवारों को बेहतर स्वास्थ्य सुरक्षा मिल सकेगी। फेडरेशन के पदाधिकारियों ने इस महत्वपूर्ण निर्णय के लिए मुख्यमंत्री के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

इस अवसर पर पंकज पाण्डेय, सत्येंद्र देवांगन, अश्वनी चेलक, जय कुमार साहू, पीताम्बर पटेल, आलोक मिश्रा एवं संतोष कुमार वर्मा सहित फेडरेशन के अन्य सदस्यगण उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री साय ने राज्यपाल रमेन डेका को दी दीपावली की शुभकामनाएं



मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने लोकभवन में राज्यपाल ज. रमेन डेका से शिष्टाचार भेंट कर उन्हें दीपावली के पावन पर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर दोनों के बीच आत्मीय चर्चा हुई और मुख्यमंत्री ने प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की।

बीएसपी से 250 टन लोहा चोरी मामला : अब ईडी की एंट्री, बेनामी संपत्तियों पर कसेगा शिकंजा



नई दृष्टिबिंदु / भिलाई



भिलाई स्टील प्लांट से 250 टन लोहा चोरी के मामले में जांच का दायरा लगातार बढ़ता जा रहा है। पुलिस और SIT के बाद अब प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने भी इस मामले में एंट्री ले ली है। लोहा एक, लेकिन जांच करने वालों की कतार लंबी होती जा रही है।

ईडी के अधिकारियों ने दुर्ग पुलिस से चोरी की एफआईआर की कॉपी मांगी है। बताया जा रहा है कि ईडी की टीम गोपनीय तरीके से शहर में जानकारी जुटा रही है और चोरी के नेटवर्क में अप्रत्यक्ष रूप से शामिल लोगों की भूमिका खंगाल रही है।

अब बेनामी संपत्ति भी जांच के दायरे में

सूत्रों के अनुसार ईडी की जांच सिर्फ लोहे तक सीमित नहीं रहेगी। चोरी से अर्जित संपत्ति और बेनामी संपत्तियां भी दायरे में आ सकती हैं। यानी अब सवाल सिर्फ "लोहा कहां गया" का नहीं, बल्कि "लोहे का पैसा किस जमीन, किस मकान में, किस नाम पर लगा" का बन गया है।

रिपोर्ट के मुताबिक बीएसपी के अधिकारी, सीआईएसएफ के अफसर और निजी लोग पहले से ही संदेह के दायरे में हैं।

सीबीआई को केस डायरी का इंतजार

राज्य सरकार ने जांच सीबीआई को सौंप दी है, लेकिन आधिकारिक सहमति न मिलने के कारण भिलाई-3 थाने में दर्ज मामले की केस डायरी अब तक सीबीआई को नहीं सौंपी गई है। हालांकि सीबीआई का एक वरिष्ठ अधिकारी दुर्ग आ चुका है और पुलिस ने डायरी सौंपने की तैयारी पूरी कर ली है। सवाल है कि फाइल किस टेबल पर अटकी है।

21 में से ज्यादातर को जमानत, 6 आरोपी अब भी फरार

भिलाई-3 पुलिस ने इस मामले में उद्योगपति, बीएसपी अधिकारी, ट्रांसपोर्टर समेत करीब 21 लोगों को गिरफ्तार कर करोड़ों की संपत्ति जब्त की थी। अब इनमें से ज्यादातर को जमानत मिल चुकी है। जिनका एफआईआर में सीधा नाम नहीं था, उन्हें कोर्ट से अग्रिम जमानत भी मिल गई है।

वहीं चोरी के नेटवर्क से जुड़े 6 आरोपी अब भी फरार हैं। जिस प्लांट में राख की गाड़ी तक का वजन दर्ज होता है, वहां से जुड़े लोग पुलिस की पकड़ से बाहर कैसे हैं, यह बड़ा सवाल है।

फिलहाल पुलिस केस डायरी लिए खड़ी है, सीबीआई सहमति का इंतजार कर रही है और ईडी बेनामी संपत्तियों की परतें खोलने की तैयारी में है। बीच में 250 टन लोहे का हिसाब अब भी बाकी है।

दीपावली पर दुर्ग पुलिस ने शहीद परिवारों के बीच पहुंचकर दी शुभकामनाएं, 37 परिवारों का जाना कुशलक्षेम

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग



दीपावली पर्व पर दुर्ग पुलिस ने शहीद पुलिस परिवारों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करते हुए अनोखी पहल की। छत्तीसगढ़ पुलिस और सशस्त्र बल में कर्तव्य के दौरान शहीद हुए 37 अधिकारियों-कर्मचारियों के परिवारों से संपर्क कर उन्हें शुभकामना भेंट दी गई।

डीआईजी एवं एसएसपी विजय अग्रवाल स्वयं शहीद परिवारों के घर पहुंचे। उन्होंने शहीद आरक्षक आदेश के निवास एसटीएफ कॉलोनी सिंधिया नगर, शहीद आरक्षक अवनी सिंह के निवास नई पुलिस लाइन और शहीद आरक्षक मनोज वर्मा के निवास पांच बिल्डिंग दुर्ग जाकर परिजनों से भेंट की और दीपावली की शुभकामनाएं दीं। श्री अग्रवाल ने कहा - शहीदों का सर्वोच्च बलिदान सदैव स्मरणीय रहेगा। शासन और पुलिस विभाग हर परिस्थिति में शहीद परिवारों के साथ खड़ा है।

जिले के अन्य शहीद परिवारों तक पहुंचने के लिए नगर पुलिस अधीक्षकों, एसडीओपी और थाना-चौकी प्रभारियों ने भी अपने-अपने क्षेत्र के परिवारों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना। दुर्ग पुलिस ने संदेश दिया कि शहीद परिवार पुलिस विभाग का अभिन्न अंग हैं और विभाग उनके सुख-दुख में सहभागी रहेगा।

फर्जी खबरों से ब्लैकमेलिंग के आरोप में कारोबारी दीपक टंडन गिरफ्तार, एआई से बनाता था आपत्तिजनक तस्वीरें

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर-बिलासपुर





छत्तीसगढ़ की तत्कालीन DSP कल्पना वर्मा पर प्यार में फंसाकर करोड़ों ऐंठने का आरोप लगाने वाला होटल कारोबारी और 'द हनी बैजर न्यूज' पोर्टल का संचालक दीपक टंडन उर्फ आबेडकर टंडन (46) गिरफ्तार हो गया है। बिलासपुर पुलिस ने फर्जी खबरें प्रकाशित कर ब्लैकमेलिंग और उगाही के मामले में उसे रायपुर से अरेस्ट किया है।

एआई से एडिट कर बनाता था आपत्तिजनक खबरें

आरोप है कि दीपक टंडन अपने न्यूज पोर्टल पर एआई की मदद से लोगों की तस्वीरों से छेड़छाड़ कर आपत्तिजनक और भ्रामक खबरें प्रकाशित करता था। फिर उन खबरों के जरिए दबाव बनाकर ब्लैकमेलिंग और वसूली करता था।

बिलासपुर पुलिस के अनुसार 29 अक्टूबर को तिफरा के महाराणा प्रताप नगर निवासी मणीशंकर पांडेय ने सिरगिट्टी थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने आरोप लगाया कि उनकी तस्वीरों को अक से एडिट कर पोर्टल और सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक खबरें पोस्ट कर उनकी छवि खराब करने की कोशिश की गई। जांच के बाद 6 नवंबर को पुलिस ने रायपुर के न्यू राजेंद्र नगर स्थित रजत प्राइम अपार्टमेंट में दबिश देकर दीपक को गिरफ्तार किया। उसके पास से दो मोबाइल फोन जब्त किए गए हैं, जिनमें कई आपत्तिजनक फोटो, वीडियो और ऑडियो क्लिप मिले हैं।

पहले से कई केस दर्ज

पुलिस के अनुसार आरोपी के खिलाफ पहले भी कई क्रिमिनल केस दर्ज हैं। फिलहाल ब्लैकमेलिंग, जबरन वसूली, डिजिटल मटीरियल के दुरुपयोग और मामले में अन्य आरोपियों की भूमिका की जांच की जा रही है।

क्या है डीएसपी कल्पना वर्मा केस?

दीपक टंडन वही कारोबारी है जिसने दंतेवाड़ा में पदस्थ रही डीएसपी कल्पना वर्मा पर लव ट्रैप में फंसाकर करोड़ों रुपए, महंगी गाड़ी और गहने ऐंठने का आरोप लगाया था। वहीं डीएसपी कल्पना वर्मा ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा था कि टंडन ने उनकी सोशल मीडिया से तस्वीरें निकालकर फर्जी चैट्स तैयार किए हैं और वह पैसे वापस न करने के लिए ये आरोप लगा रहा है। इस मामले के बाद से ही दीपक टंडन चर्चा में था।

फिलहाल सिरगिट्टी पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है और डिजिटल साक्ष्यों की जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

दुर्ग शहर और नंदिनी रोड पर भारी वाहनों की नो-एंट्री का समय बढ़ा 16 नवंबर तक सख्त प्रतिबंध



नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

जिला दण्डाधिकारी दुर्ग ने यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने के लिए भारी वाहनों के प्रवेश पर संशोधित आदेश जारी किया है। अब दुर्ग शहर के 9 प्रमुख मार्गों और पावर हाउस से छावनी चौक तक भारी वाहनों पर सुबह 6 बजे से रात 11 बजे तक पूर्ण प्रतिबंध रहेगा।

पहले इन 9 मार्गों पर दोपहर 12 से 2 बजे तक छूट दी जाती थी, जिसे 16 नवंबर 2026 तक समाप्त कर दिया गया है। इसी तरह नंदिनी रोड पर पहले रात 9 बजे तक प्रतिबंध था, जिसे बढ़ाकर रात 11 बजे तक कर दिया गया है।

प्रतिबंधित 9 मार्ग: पुलगांव चौक से पोटिया रोड, पुलगांव चौक से गंजपारा चौक, गुरुद्वारा चौक से बटालियन रोड, धमधा नाका ओवरब्रिज से ग्रीन चौक, पुष्पक नगर से कातुलबोर्ड रोड, बघेरा से गंजपारा, 32 बंगला बायपास से दुर्ग, ठगड़ा बांध से दुर्ग और धनौरा बायपास से महाराजा चौक।

छूट: एम्बुलेंस, फायर ब्रिगेड, एलपीजी गैस, राशन सामग्री, कस्टम मिलिंग और दूध-सब्जी-फल जैसी आवश्यक सेवाओं वाले वाहनों को प्रतिबंध से छूट रहेगी। यातायात पुलिस ने वाहन चालकों से आदेश का पालन करने की अपील की है, उल्लंघन पर वैधानिक कार्रवाई होगी।



गौरा-गौरी महोत्सव व सियान सम्मान समारोह में शामिल हुए दुर्ग विधायक ललित चंद्राकर

नई दृष्टिबिंदु / रिसाली-भिलाई

छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोकसंस्कृति, आस्था और पारंपरिक रीति-रिवाजों की अनूठी पहचान गौरी-गौरा पर्व की शुरूआत गुरुवार को नेवई भाठा वार्ड 32 में श्रद्धा और पारंपरिक उत्साह के साथ हुई। नेवई भाठा स्थित गौरी-गौरा चौक में जय सेवा धुर्वे गोंड समाज द्वारा विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर सदियों पुरानी फूल कुचरने की परंपरा का निर्वहन किया गया। इस अवसर पर आयोजित गौरा-गौरी महोत्सव एवं सियान सम्मान समारोह में दुर्ग ग्रामीण के लोकप्रिय विधायक ललित चंद्राकर जी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

इस पारंपरिक रस्म में देसी अंडा और देसी मूसर का विशेष महत्व होता है। परंपरा के अनुसार पांच प्रकार के फूलों को कुचरा जाता है, जिसके बाद समाज की महिलाएं चावल अर्पित कर अपनी



आस्था प्रकट करती हैं। इस दौरान महिलाओं की सामूहिक सहभागिता इस पर्व की सामाजिक और सांस्कृतिक महत्ता को दर्शाती है।

समाज की पारंपरिक मान्यताओं के अनुसार फूल कुचरने की रस्म ईसर राजा और गौरा-गौरी को जगाने तथा उनका आव्हान करने की परंपरा है। यह प्रक्रिया पांच दिनों तक चलती है। इसके पश्चात पांच दिन बाद ईसर राजा एवं गौरा-गौरी की विधिवत पूजा-अर्चना की जाएगी।

इस अवसर पर विधायक ललित चंद्राकर ने समाज के सियानों का सम्मान किया और कहा कि गौरी-गौरा पर्व छत्तीसगढ़ की लोकपरंपरा का महत्वपूर्ण हिस्सा है। नेवई भाठा में जय सेवा धुर्वे गोंड समाज द्वारा इस परंपरा को निभाना अपनी सांस्कृतिक विरासत, पूर्वजों की मान्यताओं और सामाजिक एकजुटता को सहेजने का संदेश देता है। आधुनिक दौर में भी ऐसी परंपराओं का जीवंत रहना ग्रामीण संस्कृति की मजबूत पहचान है। कार्यक्रम में समाज के वरिष्ठजन, सियान, महिला-पुरुष एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री निवास में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से मिले दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर, दी दीपावली की बधाई



दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने मुख्यमंत्री निवास में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से औपचारिक मुलाकात कर दीपावली की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री साय ने भी विधायक को दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए प्रदेश के विकास और जनकल्याण को लेकर चर्चा की। इस दौरान विधायक चंद्राकर ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ निरंतर विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँच रहा है। उन्होंने कामना की कि मुख्यमंत्री के कुशल नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सुशासन और जनकल्याण की नई ऊंचाइयों को छुए।

खास खबर

खेरधा में बायोगैस प्लांट का विरोध, ग्रामीणों की सहमति के बिना निर्माण बंद करने की मांग - मुक्ति मोर्चा



नई दृष्टिबिंदु / खेरधा

खेरधा के आसपास के ग्रामीणों के विरोध के बावजूद बायोगैस प्लांट स्थापित किए जाने को लेकर छत्तीसगढ़ मुक्ति मोर्चा मजदूर कार्यकर्ता समिति ने आपत्ति जताई है और निर्माण तत्काल बंद करने की मांग की है। समिति ने बयान में कहा कि ग्रामीण लगातार प्लांट का विरोध कर रहे हैं, फिर भी प्रशासन कंपनी स्थापित करने पर अड़ा है। ग्रामीणों का कहना है कि प्लांट से उनकी उपजाऊ कृषि भूमि बर्बाद होगी और धुएं, धूल व प्रदूषण से गांवों में रहना मुश्किल हो जाएगा। इससे स्वास्थ्य, खेती और पर्यावरण पर गंभीर असर पड़ेगा।

मोर्चा ने कहा कि लोकतंत्र में जनता की इच्छा सर्वोपरि है। दीपावली जैसे त्योहार पर भी ग्रामीणों को अपनी जमीन बचाने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है, जो सरकार की उदासीनता दर्शाती है। समिति ने सरकार से मांग की है कि ग्रामीणों की सहमति के बिना परियोजना न थोपी जाए। बयान जारी करने वालों में कलादास डेहरिया, महेश साहू, रमाकांत बंजारे, कल्याण पटेल सहित अन्य साथी शामिल हैं।

धनतेरस की रात राहगीरों तक पहुंचाई दीपावली की मिठास, अध्यात्म पथ सेवा परिवार की अनूठी पहल

दुर्ग। धनतेरस का पर्व धन के साथ खुशियां बांटने का भी अवसर है। इसी भावना के साथ अध्यात्म पथ सेवा परिवार ने धनतेरस की रात सड़कों पर राहगीरों और जरूरतमंदों को मिठाई वितरित कर मानवता की मिसाल पेश की। अध्यक्ष हेमा सक्सेना के नेतृत्व में आयोजित इस अभियान का उद्देश्य उन लोगों तक दीपावली की मिठास पहुंचाना था जो अक्सर त्योहार की खुशियों से वंचित रह जाते हैं।

संस्थापक आचार्य डॉ. अजय आर्य ने कहा कि किसी के काम आना ही सबसे बड़ा सेवा कार्य है। निःस्वार्थ भाव से दूसरों की सहायता करना ही सच्चा पुण्य है। महासचिव नमित क्षत्रिय और कोषाध्यक्ष हर्षा ताम्रकार ने भी सेवा से आत्मिक शांति मिलने की बात कही। अंतर्राष्ट्रीय वेद कथाकार आचार्य चंद्रशेखर शास्त्री ने दिल्ली से सेवा परिवार की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि सेवा भाव ही मनुष्य को मनुष्य बनाता है।

भिलाई के युवा नेता अतुल पर्वत को बड़ी जिम्मेदारी, भाजपा किसान मोर्चा के कृषि-उद्यानिकी-सब्जी उत्पाद प्रकल्प के प्रदेश संयोजक नियुक्त



नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भारतीय जनता पार्टी छत्तीसगढ़ किसान मोर्चा ने संगठन विस्तार करते हुए भिलाई के ऊर्जावान युवा नेता अतुल पर्वत को कृषि, उद्यानिकी एवं सब्जी उत्पाद प्रकल्प का प्रदेश संयोजक नियुक्त किया है। नियुक्ति के बाद अतुल पर्वत ने पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मुझ पर विश्वास जताते हुए यह महत्वपूर्ण दायित्व सौंपने के लिए सभी वरिष्ठजनों का हृदय से धन्यवाद। मैं पूर्ण निष्ठा, समर्पण और जिम्मेदारी के साथ इस दायित्व का निर्वहन करूंगा।

अतुल पर्वत ने भाजपा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बंशीलाल गुर्जर, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह, प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव, किसान मोर्चा छत्तीसगढ़ प्रभारी पूनम चंद्राकर और किसान मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष आलोक चंद्र ठाकुर सहित केंद्रीय और प्रदेश नेतृत्व का आभार जताया। उन्होंने कहा कि वे किसानों के हितों, कृषि विकास, उद्यानिकी एवं सब्जी उत्पादन को प्रोत्साहित करने तथा संगठन की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयासरत रहेंगे। उनकी नियुक्ति पर कार्यकर्ताओं और शुभचिंतकों में हर्ष का माहौल है।

नगरी निकाय में सर्वे कार्यवाही: नगरीय क्षेत्रों में पट्टा देने के लिए सर्वे कार्य जारी

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग



छत्तीसगढ़ नगरीय क्षेत्रों के आवासहीन व्यक्तियों को पट्टाधृति अधिकार नियम 2023 के अंतर्गत सर्वे की कार्यवाही के संबंध में राज्य शासन से निर्देश मिलने के बाद जिले के सभी नगरीय निकायों में सर्वे की कार्यवाही की जा रही है। इस कार्य को चरणबद्ध तय सीमा में किए जाने के सम्बन्ध में गुरूवार, 05 नवम्बर को कलेक्टोरेट सभाकक्ष में कलेक्टर अभिजीत सिंह ने जिले से सभी नगरीय निकायों के नगर निगम कमिश्नर, सीएमओ तथा निकायवार नियुक्त प्राधिकृत अधिकारियों की बैठक लेकर सर्वे कार्य की समीक्षा की।

3 से 6 नवम्बर 2026 तक पट्टाधृति अधिकार नियम 2003 के तहत सर्वेक्षित परिवार/हितग्राहियों से नियम में उल्लेखित दस्तावेज प्राप्त कर पात्र/अपात्र व्यक्तियों की वार्डवार सूची तैयार करने, 7 से 10 नवम्बर 2026 तक तैयार किए गए पात्र, अपात्र व्यक्तियों की सूची का संबंधित वार्डों में प्रकाशन कर दावा आपत्ति प्राप्त करने तथा दिनांक 11 नवंबर को प्राप्त दावा आपत्तियां का निराकरण कर पात्र व्यक्तियों की सूची तैयार कर प्रस्तुत करने हेतु समय सीमा निर्धारित की गई है।

पट्टे के लिए पात्र व्यक्ति कौन होंगे इसके लिए छत्तीसगढ़ नगरीय क्षेत्रों के आवासहीन व्यक्ति को पट्टाधृति अधिकार अधिनियम 2023 के अनुसार ऐसे व्यक्ति जो छत्तीसगढ़ के स्थानीय निवासी प्रमाणपत्र प्राप्त करने की पात्रता रखता हो, जो आवासहीन हो, जो संबंधित नगरीय निकाय की मतदाता सूची में दर्ज हो, जिसके कुटुंब की वार्षिक आय 3.00 लाख से अधिक न हो, जिसके कुटुंब में कोई व्यक्ति केंद्र सरकार, राज्य सरकार या इनके उपक्रम की शासकीय सेवा में (चतुर्थ श्रेणी को छोड़कर) नहीं हो और न ही अधिवक्ता, इंजीनियर, डॉक्टर, चार्टर्ड अकाउंटेंट जैसा व्यावसायिक सेवा में हो और न ही निर्वाचित जनप्रतिनिधि हो तथा जिसे या जिसके कुटुंब के किसी सदस्य को पूर्व में उसी नगरीय निकाय में कोई शासकीय भूमि आबंटित नहीं की गई हो, पात्र होंगे।

यहाँ पर कुटुंब के अंतर्गत माता पिता, पति पत्नी,पुत्र, अविवाहित पुत्री एवं रक्त आधारित कोई नातेदार,जो आवासहीन व्यक्ति पर पूर्णतः आश्रित हो, शामिल होंगे। पट्टा के लिए पात्रता ऐसे व्यक्ति जो अधिनियम के अंतर्गत पात्रता रखते हो, नगर पालिक निगम क्षेत्र में 600 वर्गफीट एवं अन्य नगरीय निकायों में 800 वर्गफीट भूमि से अनधिक शासकीय भूमि, जिस पर 20 अगस्त 2017 से लगातार हों, विकास योजना में निर्धारित भू उपयोग से निरपेक्ष रहते हुआ, पत्ते के लिए पात्र समझे जाएंगे। लेकिन निर्धारित सीमा से अधिक भूमि होने पर, अतिरिक्त भूमि का कब्जा छोड़े या हटाये जाने पश्चात ही कब्जाधारी को पत्ते की पात्रता होगी अन्यथा वह अपात्र माना जाएगा।

20 अगस्त 2017 के पूर्व भूमि के कब्जे के संबंध में सत्यापन हेतु आधार दस्तावेज भारत निर्वाचन आयोग/राज्य निर्वाचन आयोग की मतदाता सूची, विद्युत देयक/विद्युत संयोजन का दस्तावेज, टेलीफोन बिल, स्थानीय नगरीय निकाय की संपत्तिकर/समेकित कर पंजी, जलकर भुगतान दस्तावेज, भवन अनुज्ञा/दुकान अनुज्ञा, अधिनियम के अधीन प्रदत्त पट्टाधृति पत्ते तथा आधार कार्ड/ड्राइविंग लाइसेंस को शामिल किया गया है।

कलेक्टर अभिजीत सिंह ने जिले के सभी नगरीय निकायों के लिए प्राधिकृत अधिकारी की नियुक्ति कर दी है जो नगरीय क्षेत्रों के आवासहीन व्यक्ति को पट्टाधृति अधिकार नियम 2023 के अंतर्गत नियमानुसार कार्यवाही समय सीमा में पूर्ण करेंगे। नगर निगम दुर्ग, नगर निगम भिलाई के जोन 3,4,5 के लिए सोनाल डेविड, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व दुर्ग, नगर निगम भिलाई के जोन 1,2 के लिए उत्तम सिंह पंचारी, संयुक्त कलेक्टर दुर्ग, निगम भिलाई चरोदा एवं नगर पालिका कुम्हारी हेतु प्रकाश सोनी, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व भिलाई तीन, नगर निगम रिसाली एवं नगर पंचायत प्रफुल्ल कुमार गुप्ता, अनुविभागीय दंडाधिकारी दुर्ग, नगर पंचायत धमधा हेतु सुश्री अंजली खालको, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व धमधा, नगर पालिका अमलेश्वर एवं नगर पंचायत पाटन हेतु नीि निधि नांदेहा, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पाटन एवं नगर पालिका जामुल और अहिवारा हेतु राहुल रजक, संयुक्त कलेक्टर दुर्ग को प्राधिकृत अधिकारी नियुक्त किया गया है। प्राधिकृत अधिकारी के साथ संबंधित नगरीय निकाय के आयुक्त,सीएमओ एवं क्षेत्र के तहसीलदार /नायब तहसीलदारों को संलग्न जांच अधिकारी भी नियुक्त किए गए हैं। बैठक में अपर कलेक्टर खेमलाल वर्मा, नगर निगम आयुक्त सुश्री लीना कोसम, सुश्री सुरुचि सिंह, श्रीमती मोनिका वर्मा, अनुविभागीय अधिकारी सोनल डेविड, एसडीएम प्रफुल्ल कुमार गुप्ता, सहित सभी प्राधिकृत अधिकारी, सीएमओ, उपस्थित रहे।

छग के प्रथम धन्वंतरि मंदिर में धूमधाम से मनाया धन्वंतरि महोत्सव सांसद विजय बघेल हुए शामिल



नई दृष्टिबिंदु / धमधा-दुर्ग

धमधा के वार्ड 10 स्थित छत्तीसगढ़ के प्रथम धन्वंतरि मंदिर परिसर में पंचम वार्षिकोत्सव और ऊ साई संस्कृति विद्यालय के चतुर्थ वार्षिकोत्सव पर धन्वंतरि महोत्सव और सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

मुख्य अतिथि दुर्ग सांसद विजय बघेल ने भगवान धन्वंतरि की पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों के सुख-समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। उन्होंने लक्ष्मी, काली, सरस्वती मंदिर और शिवशक्ति काटा मंदिर में भी दर्शन किए।

कार्यक्रम में बच्चों ने आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। सुवा नृत्य प्रस्तुत करने वाले ब्रीजापुर दल को सांसद ने पुरस्कृत किया। विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रथम-द्वितीय स्थान पाने वाले विद्यार्थियों को स्मृति चिन्ह और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

अपने उद्बोधन में सांसद बघेल ने कहा - आज धनतेरस का पावन पर्व है, भगवान धन्वंतरि सभी को स्वस्थ रखें। छत्तीसगढ़ के प्रथम धन्वंतरि मंदिर का निर्माण और सांस्कृतिक गतिविधियां सराहनीय पहल है। ऐसे आयोजन हमारी संस्कृति और संस्कारों को आगे बढ़ाते हैं। इस अवसर पर कल्याण सिंह चौहान, नरेश साहू, पवन देवांगन सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण और श्रद्धालु उपस्थित रहे।

संदिग्ध वाहन जांच अभियान में दुर्ग पुलिस ने जब्त किए 8 वाहन

दुर्ग। अपराध रोकथाम और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए दुर्ग पुलिस ने गुरुवार तड़के विशेष सघन चेकिंग अभियान चलाया। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर सुबह 4 से 8 बजे तक भिलाई नगर और नेवई अनुविभाग के विभिन्न थाना क्षेत्रों में यह अभियान चला। थाना-चौकी प्रभारियों की संयुक्त टीमों ने संवेदनशील और संदिग्ध स्थानों पर पहुंचकर व्यक्तियों और वाहनों की जांच की। अभियान के दौरान कुल 8 लावारिस और संदिग्ध वाहनों को जब्त कर वैधानिक कार्रवाई की गई। साथ ही मादक पदार्थ, अवैध हथियार और अन्य संदिग्ध वस्तुओं की तलाश की गई और पूर्व अपराधियों की गतिविधियों का सत्यापन भी किया गया। इस विशेष अभियान में सीएसपी भिलाई नगर, सीएसपी नेवई सहित कुल 47 पुलिस अधिकारी-कर्मचारी शामिल रहे।

पुलिस सहायता केन्द्र का शुभारंभ, एक ही जगह मिलेगी पुलिस सहायता और कानूनी जानकारी

महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों व पक्षकारों को एफआईआर, सम्मन-वारंट, पुलिस सत्यापन और नि:शुल्क कानूनी सहायता की मिलेगी जानकारी

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग



जिला न्यायालय परिसर दुर्ग में आम नागरिकों की सुविधा और सहायता के लिए पुलिस सहायता केन्द्र (हेल्प डेस्क) प्रारंभ किया गया है। शुक्रवार, 6 नवंबर को जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश शेख अशरफ प्रथम, कलेक्टर अभिजीत सिंह तथा उप पुलिस महानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल की उपस्थिति में फीता काटकर इस सहायता केन्द्र का विधिवत शुभारंभ किया गया।

पुलिस सहायता केन्द्र की स्थापना का मुख्य उद्देश्य न्यायालय में आने वाले पक्षकारों, महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों और आम नागरिकों को पुलिस संबंधी सेवाओं, कानूनी प्रक्रियाओं एवं आवश्यक मार्गदर्शन की सुविधा एक ही स्थान पर उपलब्ध कराना है। अब न्यायालय परिसर में आने वाले लोगों को पुलिस संबंधी जानकारी और सहायता के लिए अलग-अलग कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे।

इस हेल्प डेस्क के माध्यम से नागरिकों को एफआईआर की प्रति प्राप्त करने, सम्मन एवं वारंट से संबंधित जानकारी, पुलिस सत्यापन तथा ई-फाइलिंग की प्रक्रिया के संबंध में मार्गदर्शन दिया जाएगा। इसके साथ ही जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से पात्र जरूरतमंद नागरिकों को निःशुल्क विधिक सहायता प्राप्त करने की प्रक्रिया की जानकारी भी उपलब्ध कराई जाएगी। इस पहल से न्यायालय परिसर में आने वाले नागरिकों को आवश्यक सेवाओं तक पहुंचने में सहूलियत होगी। विशेष रूप से महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों और अन्य जरूरतमंद लोगों को एक ही स्थान पर पुलिस सहायता एवं कानूनी प्रक्रियाओं की जानकारी मिलने से उनकी परेशानियां कम होंगी।

उद्घाटन कार्यक्रम में तृतीय जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश यशवंत कुमार सारथी, चतुर्थ जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश श्रीमती सुनीता टोप्पो, अष्टम जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश पुरुषोत्तम सिंह मरकाम, नवम जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश पंकज दीक्षित, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव उमेश कुमार भागवतकर, तृतीय अतिरिक्त न्यायाधीश प्रथम व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ श्रेणी वीरेन्द्र सिंह, चतुर्दश व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ श्रेणी पंकज शर्मा एवं पंचदश व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ श्रेणी आयुष ताम्रकार उपस्थित रहे। इसी प्रकार जिला अधिवक्ता संघ दुर्ग के अध्यक्ष रमेश कुमार शर्मा, सचिव रविशंकर सिंह, कोषाध्यक्ष साकेत मिश्रा एवं सदस्य रविशंकर मानिकपुरी सहित पुलिस एवं प्रशासन के अधिकारी-कर्मचारी और अधिवक्तागण भी कार्यक्रम में शामिल हुए। दुर्ग पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि न्यायालय परिसर में किसी भी प्रकार की पुलिस संबंधी सहायता, आवश्यक जानकारी अथवा मार्गदर्शन की जरूरत होने पर पुलिस सहायता केन्द्र का उपयोग करें। विशेषकर महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों एवं जरूरतमंद नागरिकों से इस सुविधा का लाभ उठाने की अपील की गई है।

बीएसपी के सर्विसेस जोन के चार कर्मी कर्म शिरोमणि पुरस्कार से सम्मानित

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई



भिलाई इस्पात संयंत्र के सर्विसेस जोन के विभिन्न विभागों के लिए कर्म शिरोमणि पुरस्कार समारोह का आयोजन संयंत्र भवन स्थित मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी (सेवाएं) के सभागार में किया गया।

समारोह में सुरक्षा मानदंडों का पालन करते हुए उत्कृष्ट कार्य करने वाले चार कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। फायर ब्रिगेड के मनोज कुमार सोनी, एमआरडी के मनीष श्रीवास्तव, पीपीसी के आदित्य वैद्य और सीबीडी की उषा महोबे को कर्म शिरोमणि पुरस्कार प्रदान किया गया। उन्हें उपहार, प्रमाण पत्र के साथ जीवनसाथियों के लिए प्रशंसा पत्र भी दिया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी (सेवाएं) प्रवीण राय भल्ला ने पुरस्कृत कर्मियों को बधाई दी और सुरक्षा एवं बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कार्यक्षेत्र में नवाचार और ऐआई के उपयोग पर भी जोर दिया। इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक (एमआरडी) हरीश सचदेव, मुख्य महाप्रबंधक (सीबीडी) श्रीनिवास सेशु, कार्यकारी मुख्य महाप्रबंधक (ईएमडी) सी. चंद्रशेखर सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

महिला अधिवक्ता बलबीर कौर चौहान के निधन पर हिंदू युवा मंच ने निकाला श्रद्धांजलि शांति मार्च

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग



जूनवानी स्थित हाईटेक अस्पताल में उपचार के दौरान महिला अधिवक्ता स्व. बलबीर कौर चौहान के निधन के मामले में हिंदू युवा मंच ने नेहरू नगर मॉल चौक से श्रद्धांजलि एवं शांति मार्च निकालकर अस्पताल प्रबंधन के खिलाफ आक्रोश जताया।

हरि नगर, दुर्ग निवासी अधिवक्ता बलबीर कौर चौहान ऑपरेशन के लिए हाईटेक अस्पताल में भर्ती हुई थीं। परिजनों और अधिवक्ताओं का आरोप है कि अस्पताल प्रबंधन ने मृत्यु के कारण स्पष्ट नहीं किए और परिजनों को भ्रम में रखा। इस संबंध में स्मृति नगर चौकी में शिकायत दर्ज कराई गई है। हिंदू युवा मंच ने प्रशासन से निष्पक्ष जांच कमेटी गठित कर पूरे मामले की पारदर्शी जांच और लापरवाही पाए जाने पर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

यह मार्च प्रदेश संयोजक गोविंद राज नायडू की अगुवाई में प्रदेश महामंत्री राजेश शर्मा और प्रदेश अध्यक्ष कुमार नायर के नेतृत्व में निकला। कार्यक्रम में भिलाई जिला अध्यक्ष कमल रणदिवे और वैशाली नगर अध्यक्ष अजय यादव सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता, परिजन और आदि शक्ति महिला इकाई की कार्यकर्ता शामिल हुईं।

निधन

एस एन बोस



भिलाई। प्लॉट नंबर 27,सड़क 3ए मैत्रीनगर निवासी एस.एन. बोस का 5 नवंबर 2026 प्रातः 4 बजे उनके निवास स्थान में निधन हो गया वे 76 साल के थे, उनका अंतिम संस्कार 06 नवंबर 2026 को 12.00 बजे रिसाली मुक्तिधाम में किया गया। बोस भिलाई इस्पात संयंत्र में उप महा प्रबंधक (प्रोजेक्ट) पद से वर्ष 2009 में सेवानिवृत्त हुए थे उनके परिवार में पत्नी श्रीमती आलो बोस तथा 02 बेटियां हैं बेटियों की शादी हो चुकी है जो अपने - अपने परिवार के साथ क्रमशः बेंगलुरु एवं टाटा नगर में रह रही हैं।

खास-खबर

जिला स्तरीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने दिखाई वैज्ञानिक प्रतिभा

नारायणपुर। राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, रायपुर के निर्देशानुसार शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नारायणपुर में जिला स्तरीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी 2026-27 का आयोजन किया गया। छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के संयुक्त सौजन्य से आयोजित इस प्रदर्शनी का मुख्य विषय सतत एवं विकसित भारत के लिए विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार रखा गया था। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि जिला मिशन समन्वयक दीनबंधु रावटे द्वारा किया गया। प्रदर्शनी में जिले के विभिन्न विकासखंडों से आए 20 से अधिक टीमों एवं प्रतिभागी छात्र-छात्राओं ने विज्ञान आधारित मॉडल और नवाचारी प्रदर्श प्रस्तुत किए। विद्यार्थियों ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता, हरित ऊर्जा, पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य, स्वच्छता, कृषि पद्धतियों, ग्रामीण विकास एवं आपदा प्रबंधन जैसे विषयों पर अपनी रचनात्मकता और वैज्ञानिक सोच का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के विभिन्न विषयों में निर्णायक मंडल द्वारा प्रतिभागियों का मूल्यांकन कर विजेताओं का चयन किया गया।

दुर्ग विधानसभा में दीपावली मिलन, कार्यकर्ताओं के साथ साझा की खुशिया- मंत्री गजेन्द्र यादव



नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

दीपावली के अवसर पर दुर्ग विधानसभा स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन एवं दीपावली मिलन समारोह का आयोजन हुआ। इस अवसर पर केबिनेट मंत्री एवं दुर्ग विधायक गजेन्द्र यादव शामिल हुए। उन्होंने विधानसभा क्षेत्र के परिवारजनों एवं पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ दीपावली की खुशियाँ साझा कीं और सभी को दीपोत्सव की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दिए।

दिवाली मिलन समारोह में केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव ने सभी कार्यकर्ताओं एवं उपस्थित परिवारजनों का अभिवादन करते हुए धनतेरस, दीपावली पर लक्ष्मी पूजन, गोवर्धन पूजा और मातर पर्व के महत्व की जानकारी देते हुए कहा कि हमारे पर्व-त्योहार केवल उत्सव मनाने का माध्यम नहीं हैं, बल्कि ये हमारी संस्कृति, परंपराओं और पारिवारिक मूल्यों को पीढ़ी-दर-पीढ़ी आगे बढ़ाने का महत्वपूर्ण अवसर भी हैं। उन्होंने सभी से इन पर्वों को परिवार और समाज के साथ मिलकर उत्साहपूर्वक मनाने तथा नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति एवं परंपराओं से जोड़ने का आह्वान किये।

दिवाली मिलन समारोह में छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोकसंस्कृति और परंपराओं की मनमोहक झलक भी देखने को मिली। पारंपरिक सुवा नृत्य और यादव नृत्य की शानदार प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम को सांस्कृतिक रंगों से सराबोर कर दिया। बड़ी संख्या में उपस्थित महिला कार्यकर्ताओं ने सुवा नृत्य में उत्साहपूर्वक भाग लिये और पारंपरिक गीतों की धुन पर थिरकते हुए दीपावली मिलन के आनंद को दोगुना कर दिये।

इस अवसर पर केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव भी फुलेता लेकर दोहा लगाए और राउत नृत्य में सहभागिता दिए। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता संगठन की शक्ति और परिवार का अभिन्न अंग है। कार्यकताओं के परिश्रम, समर्पण और सेवा भावना से ही संगठन निरंतर मजबूत होता है। जनसेवा और जनकल्याण के संकल्प को पूरा करने में कार्यकताओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। संगठन के साथियों और उनके परिवारजनों के बीच इस प्रकार के आत्मीय आयोजन आपसी विश्वास, एकजुटता और पारिवारिक संबंधों को और मजबूत करते हैं।

श्री यादव ने कहा कि दुर्ग विधानसभा का प्रत्येक कार्यकर्ता उनके लिए परिवार के सदस्य के समान है। जनता की सेवा और क्षेत्र के विकास की यात्रा में सभी का सहयोग, स्नेह और विश्वास उनकी सबसे बड़ी ताकत है। दीपावली मिलन जैसे आयोजन हमें अपनेपन के साथ जुड़ने और एक-दूसरे की खुशियों में सहभागी बनने का अवसर प्रदान करते हैं। कार्यकताओं एवं परिवारजनों के साथ बिताए गए ये आनंदमय पल सदैव स्मरणीय रहेंगे।

जिला स्तरीय युवा उत्सव में युवाओं ने कला, संस्कृति और नवाचार का किया प्रभावशाली प्रदर्शन

नई दृष्टिबिंदु

धमतरी। युवाओं की प्रतिभा को प्रोत्साहित करने, उनकी रचनात्मक क्षमता को मंच प्रदान करने तथा विकसित भारत के निर्माण में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से खेल एवं युवा कल्याण विभाग, धमतरी द्वारा गुरुवार को विंध्यवासिनी मंदिर के पीछे स्थित सामुदायिक भवन में जिला स्तरीय युवा उत्सव का आयोजन किया गया।



कार्यक्रम में नगर निगम धमतरी के महापौर रामू रोहरा मुख्य अतिथि तथा छत्तीसगढ़ राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष नेहरू निषाद विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उत्सव में जिले के युवाओं ने कला, संस्कृति, विचारों और नवाचार से जुड़ी अपनी प्रतिभा का उत्साहपूर्वक प्रदर्शन किया। जिला स्तरीय युवा उत्सव में बालगृह (बालक), धमतरी के बच्चों ने भी उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। बच्चों संगीतमय छत्तीसगढ़ी गीत प्रस्तुत कर अपनी कला एवं रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए आकर्षक प्रस्तुतियां दीं। उनकी सहभागिता ने आयोजन को विशेष गरिमा प्रदान की। इस अवसर ने बालगृह के बच्चों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने, आत्मविश्वास बढ़ाने और अन्य युवाओं के साथ अपनी कला साझा करने का अवसर प्रदान किया। युवा उत्सव में विकसित भारत चैलेंज ट्रैक, लोकनृत्य, लोकगीत, नुक्कड़ नाटक, कहानी लेखन, चित्रकला, क्रिएटिव यूथ रील चैलेंज, पारंपरिक वेशभूषा तथा रॉक बैंड सहित कुल नौ विधाओं में प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। इनके माध्यम से युवाओं को अपनी रचनात्मक अभिव्यक्ति, कलात्मक कौशल, सांस्कृतिक विरासत, सामाजिक जागरूकता और तकनीकी समझ प्रदर्शित करने का अवसर मिला। लोकनृत्य, लोकगीत एवं पारंपरिक वेशभूषा की प्रस्तुतियों में छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोकसंस्कृति की झलक दिखाई दी, वहीं आधुनिक विधाओं में युवाओं ने समसामयिक विषयों पर अपने विचार और नवाचार प्रस्तुत किए।

मुख्य अतिथि महापौर रामू रोहरा ने कहा कि युवा शक्ति ही देश की सबसे बड़ी ताकत और विकसित भारत की आधारशिला है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया है। इस लक्ष्य की प्राप्ति में युवाओं की भूमिका निर्णायक होगी। विकसित भारत का निर्माण शिक्षा, कौशल, रोजगार, खेल, तकनीक, नवाचार और सामाजिक सहभागिता के समन्वय से ही संभव है।

अंडर-23 कर्नल सी.के. नायुडू ट्रॉफीः वर्षा से प्रभावित मुकाबले में छग की पहली पारी 104 रनों पर सिमटी

नई दृष्टिबिंदु

रायपुर। बीसीसीआई द्वारा मेंस अंडर-23 कर्नल सी.के. नायुडू ट्रॉफी 2026-27 का आयोजन 12 अक्टूबर 2026 से किया जा रहा है।

प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ की टीम का तीसरा मुकाबला 3 से 6 नवंबर 2026 तक सेक्टर-10 मैदान, भिलाई में मध्य प्रदेश अंडर-23 टीम के विरुद्ध खेला जा रहा है। मध्य प्रदेश अंडर-23 टीम ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण करने का निर्णय लिया। वर्षा से प्रभावित मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करने उतरी छत्तीसगढ़ की टीम की पहली पारी 43.2 ओवरों में महज 104 रनों पर सिमट गई। छत्तीसगढ़ की ओर से रुद्र प्रताप देहारी ने सर्वाधिक 29 रन बनाए, जबकि शोभित शर्मा ने 21 रनों का योगदान दिया। इनके अतिरिक्त अम्बरीश सिंह ही 14 रन बनाकर दहाई का आँकड़ा पार कर सके।

मध्य प्रदेश की ओर से रोहित सिंह राजावत ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 5 विकेट हासिल किए। वहीं सौमी पांडेय ने 3 विकेट तथा ईशान चौधरी ने 2 विकेट प्राप्त किए।

छत्तीसगढ़ की पहली पारी समाप्त होने के बाद बल्लेबाजी करने उतरी मध्य प्रदेश की टीम ने तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक अपनी पहली पारी में 9 ओवरों में बिना किसी विकेट के नुकसान पर 17 रन बना लिए थे।

तीसरे दिन की समाप्ति पर मध्य प्रदेश की टीम छत्तीसगढ़ से पहली पारी के आधार पर 87 रन पीछे है। अब मुकाबले के चौथे दिन दोनों टीमों के बीच आगे की टक्कर देखने को मिलेगी।

रेलवे मालगोदाम श्रमिकों के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित

नई दृष्टिबिंदु

रायगढ़। रेलवे मालगोदाम में कार्यरत श्रमिकों के स्वास्थ्य की देखभाल और उन्हें बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से गुरुवार को रायगढ़ के सिंघी भवन, पक्की खोली में निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया।

कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी के निर्देशन एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अनिल कुमार जगत के मार्गदर्शन में आयोजित इस शिविर में श्रमिकों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श एवं विभिन्न जांचों की सुविधा उपलब्ध कराई गई।

भारतीय रेलवे मालगोदाम श्रमिक संघ की छत्तीसगढ़ प्रदेश इकाई के नेतृत्व में आयोजित इस पहल का उद्देश्य मालगोदामों में काम करने वाले श्रमिकों तक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करना तथा उन्हें अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना है। भारत सरकार के श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के निर्देशानुसार और रेलवे प्रशासन के सहयोग से रायगढ़ एवं बाराद्वार मालगोदाम में कार्यरत श्रमिकों के लिए स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित किए जा रहे हैं।

रणजी ट्रॉफीः रोमांचक मुकाबले में छत्तीसगढ़ को हैदराबाद ने 1 विकेट से हराया

नई दृष्टिबिंदु

रायपुर। बीसीसीआई द्वारा रणजी ट्रॉफी 2026-27 का आयोजन 11 अक्टूबर 2026 से किया जा रहा है। प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ की टीम का चौथा मुकाबला 2 से 5 नवंबर 2026 तक जीमखाना स्टेडियम, हैदराबाद में हैदराबाद की टीम के विरुद्ध खेला गया। इस रोमांचक मुकाबले में हैदराबाद ने छत्तीसगढ़ को महज 1 विकेट से हराकर जीत दर्ज की।

छत्तीसगढ़ ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। टीम ने अपनी पहली पारी में 90.1 ओवरों में सभी 10 विकेट खोकर 284 रन बनाए। छत्तीसगढ़ की ओर से कप्तान अनुज तिवारी ने शानदार 72 रन और विकल्प तिवारी ने 69 रनों की महत्वपूर्ण पारी खेली। इनके अलावा मयंक वर्मा और जयंत यादव ने 36-36 रनों का योगदान दिया। हैदराबाद की ओर से मिलिंद ने 3 विकेट, जबकि रक्षण रेड्डी और अनिकेत रेड्डी ने 2-2 विकेट हासिल किए।



इसके जवाब में हैदराबाद की टीम ने अपनी पहली पारी में 86.1 ओवरों में 280 रन बनाए और छत्तीसगढ़ से 4 रन पीछे रह गई। हैदराबाद की ओर से राहुल रादेश ने 72 रन और हीमातेजा ने 46 रन बनाए। वहीं अनिकेत रेड्डी ने 32 तथा तनय त्यागराजन ने 34 रनों की संघर्षपूर्ण पारी खेली। छत्तीसगढ़ की ओर से धर्मेंद्र सिंह जडेजा ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 5 विकेट झटके, जबकि देव आदित्य सिंह और जयंत यादव ने 2-2 विकेट प्राप्त किए।

पहली पारी में 4 रनों की बढ़त हासिल करने के बाद छत्तीसगढ़ ने अपनी दूसरी पारी में 68.4 ओवरों में सभी विकेट खोकर 254 रन बनाए। टीम की ओर से मयंक वर्मा ने बेहतरीन 81 रन और संजीत देसाई ने 51 रन बनाए। इनके अलावा धर्मेंद्र सिंह जडेजा ने 38 रनों का योगदान दिया। हैदराबाद की ओर से रक्षण रेड्डी और अनिकेत रेड्डी ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 3-3 विकेट हासिल किए।

इस तरह हैदराबाद को जीत के लिए 259 रनों का लक्ष्य मिला। लक्ष्य का पीछा करने उतरी हैदराबाद की टीम ने कड़े संघर्ष के बाद 79.4 ओवरों में 9 विकेट खोकर 259 रन बना लिए और मुकाबला अपने नाम कर लिया। हैदराबाद की ओर से अभिरथ रेड्डी ने 68 रन और वरुण गौड़ ने 55 रनों की महत्वपूर्ण पारियां खेलीं। वहीं अनिकेत रेड्डी ने नाबाद पारी खेलकर टीम की जीत सुनिश्चित की। छत्तीसगढ़ की ओर से देव आदित्य सिंह ने 3 विकेट हासिल किए।

इस प्रकार बेहद रोमांचक मुकाबले में हैदराबाद ने छत्तीसगढ़ को 1 विकेट से पराजित कर दिया।

किसानों की सुविधा और पारदर्शी धान खरीदी के लिए प्रशासन ने कसी कमर, 15 नवंबर से शुरू होगी समर्थन मूल्य पर धान खरीदी

उपार्जन केंद्रों में सभी व्यवस्थाएं समय पर पूर्ण करने के दिए कड़े निर्देश

नई दृष्टिबिंदु

बालोद। खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की तैयारियों को लेकर कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा के मार्गदर्शन एवं निर्देशानुसार संयुक्त जिला कार्यालय के सभागार में महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अपर कलेक्टर श्री सुरेंद्र प्रसाद वैद्य ने की। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारियों को धान खरीदी की सभी व्यवस्थाएं समय पर पूर्ण करने तथा किसानों की सुविधा का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए गए।



अपर कलेक्टर श्री वैद्य ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप धान खरीदी का कार्य पूरी पारदर्शिता, सुगमता और व्यवस्थित ढंग से किया जाना चाहिए। किसानों को अपनी उपज बेचने के दौरान किसी भी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए सभी अधिकारी अपने दायित्वों का गंभीरता और जिम्मेदारी से निर्वहन करें।

बैठक में बताया गया कि खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के अंतर्गत समर्थन मूल्य पर धान खरीदी 15 नवंबर 2026 से 15 जनवरी 2027 तक की जाएगी। इसके लिए जिले के सभी धान उपार्जन केंद्रों में आवश्यक तैयारियां निर्धारित समय-सीमा में पूरी करने के निर्देश दिए गए।

किसानों के रकबे के अनुसार मिलेगी टोकन सुविधा: धान खरीदी व्यवस्था को सुचारु बनाने के लिए किसानों के रकबे के अनुसार टोकन वितरण की व्यवस्था निर्धारित की गई है। इसके तहत 2 एकड़ से कम भूमि वाले किसानों को एक टोकन, 2 एकड़ से अधिक तथा 10 एकड़ तक भूमि वाले किसानों को अधिकतम दो टोकन और 10 एकड़ से अधिक भूमि वाले किसानों को अधिकतम तीन टोकन दिए जाएंगे। इससे खरीदी केंद्रों में भीड़ को नियंत्रित करने और धान खरीदी को व्यवस्थित बनाने में मदद मिलेगी।

बैठक में कस्टम मिलिंग एवं परिवहन व्यवस्था की भी समीक्षा की गई। अधिकारियों को बताया गया कि खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में नागरिक आपूर्ति निगम के पास निर्धारित 50 प्रतिशत तक चावल जमा करने वाले राइस मिलर्स के साथ ही खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के लिए कस्टम मिलिंग का अनुबंध किया जाएगा। साथ ही, वर्ष 2026-27 की धान खरीदी अवधि पूरी होने के बाद ही मिलर्स को कस्टम मिलिंग के लिए धान का प्रदाय किया जाएगा।

धान खरीदी प्रारंभ होने के बाद प्रत्येक उपार्जन केंद्र में पीसीएसएपी के माध्यम से धान की ग्रेडिंग करना अनिवार्य होगा। इससे धान की गुणवत्ता सुनिश्चित करने और खरीदी प्रक्रिया में पारदर्शिता बनाए रखने में सहायता मिलेगी। जिले के सभी उपार्जन एवं संग्रहण केंद्रों में 02 नवंबर से 05 नवंबर 2026 तक ट्रायल रन आयोजित किया जा रहा है। बैठक में जानकारी दी गई कि 04 नवंबर तक जिले के 142 केंद्रों में ट्रायल रन सफलतापूर्वक पूरा किया जा चुका है, जबकि शेष 19 केंद्रों में प्रक्रिया जारी है। अधिकारियों को शेष केंद्रों का ट्रायल रन भी निर्धारित समय-सीमा में पूरा कराने के निर्देश दिए गए।

पुराने और नए बारदानों का होगा समान उपयोग: धान उपार्जन के दौरान बारदानों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए पुराने बारदानों (पीडीएस, मिलर्स एवं समितियों द्वारा उपलब्ध) तथा नए बारदानों का उपयोग 50:50 के अनुपात में किया जाएगा। इससे बारदानों की उपलब्धता और उपयोग का बेहतर प्रबंधन किया जा सकेगा। अपर कलेक्टर सुरेंद्र प्रसाद वैद्य ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि धान खरीदी से जुड़ी प्रत्येक व्यवस्था की नियमित निगरानी करें और किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतें। उन्होंने कहा कि किसानों का हित सर्वोपरि है। प्रशासन का प्रयास है कि किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य मिले तथा पूरी खरीदी प्रक्रिया सरल, पारदर्शी और सुगम तरीके से संपन्न हो।

डिजिटल और पेपरलेस विधानसभा की ओर छत्तीसगढ़ का बड़ा कदम

राष्ट्रीय ई-विधान एप्लीकेशन पर दो दिवसीय प्रशिक्षण हुआ संपन्न



नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ विधानसभा को आधुनिक तकनीक से लैस करने तथा इसकी कार्यप्रणाली को पूरी तरह पारदर्शी, सुगम, सुव्यवस्थित और पेपरलेस बनाने की दिशा में राज्य सरकार ने एक और अहम कदम उठाया है। इसी उद्देश्य के तहत राष्ट्रीय ई-विधान एप्लीकेशन के प्रभावी क्रियान्वयन और सुचारू उपयोग को लेकर आयोजित दो दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हो गया है।

इस दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य लक्ष्य विधानसभा के अधिकारियों और कर्मचारियों को ठीएअ" एप्लीकेशन की तकनीकी एवं व्यावहारिक बारीकियों से अवगत कराना था, ताकि विधायी कार्यों में डिजिटल संस्कृति को बढ़ावा दिया जा सके। इस पहल से विधानसभा के कामकाज में सूचना प्रौद्योगिकी का बेहतर उपयोग सुनिश्चित होगा और प्रशासनिक दक्षता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

प्रशिक्षण सत्र के दौरान भारत सरकार के संसदीय कार्य मंत्रालय के समन्वयक अमन गौतम और श्रीधर स्वामी ने एप्लीकेशन के विभिन्न तकनीकी मॉड्यूल की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने विशेष रूप से एडमिन मॉड्यूल, प्रश्न मॉड्यूल और समिति मॉड्यूल के उपयोग एवं संचालन का व्यावहारिक प्रशिक्षण उपस्थित प्रतिभागियों को प्रदान किया।

कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को निम्नडिजिटल कार्यप्रणालियों का प्रशिक्षण दिया गया। डिजिटल माध्यम से विधानसभा के प्रश्न और सूचनाएं प्रस्तुत करना, विधायी दस्तावेजों का ऑनलाइन प्रबंधन एवं सुरक्षित रख-रखाव, सदन की कार्यवाही से संबंधित सूचनाओं का त्वरित आदान-प्रदान, विभिन्न संसदीय और विधायी प्रक्रियाओं को एक ही डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए संचालित करना शामिल है। विशेषज्ञों ने बताया कि इस एप्लीकेशन के माध्यम से कामकाज न केवल बेहद सरल और त्वरित होगा, बल्कि इससे कार्य निष्पादन में भी उच्च स्तर की प्रभावशीलता आएगी।

इस महत्वपूर्ण प्रशिक्षण कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ विधानसभा के साथ-साथ छत्तीसगढ़ इन्फोटेक प्रमोशन सोसायटी (चिप्स) और राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र के संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। ज्ञातव्य है कि राष्ट्रीय ई-विधान एप्लीकेशन भारत सरकार के संसदीय कार्य मंत्रालय की एक महत्वाकांक्षी डिजिटल पहल है, जिसका उद्देश्य देश की सभी विधानसभाओं की कार्यप्रणाली को आधुनिक सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी से जोड़कर उन्हें पूरी तरह डिजिटल, पारदर्शी और कागज रहित (पेपरलेस) स्वरूप देना है।

छत्तीसगढ़ विधानसभा में के इस प्रभावी क्रियान्वयन से विधायी दस्तावेजों के प्रबंधन और सूचनाओं के आदान-प्रदान में क्रांति आएगी। यह कदम न केवल विधानसभा की कार्यक्षमता में वृद्धि करेगा, बल्कि बहुमूल्य समय और कागजी संसाधनों की बचत में भी अत्यंत मददगार साबित होगा।

संपादकीय

कांग्रेस कहती रही, प्रधानमंत्री मोदी ने करके दिखाया

आजादी के बाद से देश में गरीबी सबसे बड़ी समस्या रही है ।कोई भी देश तेजी से विकास नहीं कर सकता यदि देश में गरीबी ज्यादा है । देश के विकास के लिए गरीबी को कम करना जरूरी होता है । आजादी के बाद कई दशकों तक कांग्रेस सत्ता में रही और देश में गरीबी हटाओं का नारा लगाती रही लेकिन देश से गरीबी को कम करने के लिए जो कुछ किया जाना था,नही किया गया यही वजह है कि जब तक कांग्रेस सत्ता में रही,गरीबी देश में दूसरे देशों की तरह कम नहीं हुई वह देश की गंभीर समस्या बनी रही । कांग्रेस की जगह कोई और राजनीतिक दल होता तो वह जरूर गरीबी दूर करने का प्रयास करता । गरीबी दूर नही होती वह कम तो होती लेकिन कांग्रेस ने गरीबों को भी अपना वोट बैंक समझा और माना जब तक गरीबी है,वोट गरीबी हटाने के नाम पर गरीब उसको वोट देते रहेंगे । गरीबों के वोट से कांग्रेस सत्ता में रही,गरीबी हटाने की जगह गरीबी हटाने का वादा करती रही और गरीब कांग्रेस के समय गरीब ही बने रहे । यही वजह है कि आज भी राहुल गांधी जैसे नेता कहते हैं कि गरीबी एक मानसिक अवस्था है ।

कांग्रेस के कुछ नेता आज जब भी भारत व पीएम मोदी को नीचा दिखाना होता है तो वह चीन का उदाहरण देते हैं और भारत को विकास के मामले में पिछड़ा बताने का प्रयास करते हैं । कांग्रेस के ऐसे नेताओं को यह जानकर जोर का झटका लग सकता है कि गरीबी हटाने के मामले में पीएम मोदी ने चीन को भी पीछे छोड़ दिया है । चीन को अपने यहां गरीबी कम करने में 40 साल लगे तो पीएम मोदी ने भारत में वही काम यानी गरीबी कम करने का काम मात्र 12 साल में कर दिखाया ! दुनिया के किसी दूसरे नेता ने नरेंद्र मोदी जैसी आर्थिक उपलब्धि इतने कम समय में हासिल नहीं की है ? तुलनात्मक रूप से देखें तो चीन ने 1978 के बाद लगभग चार दशकों में करीब 77 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकालने का ऐतिहासिक दावा किया था ।बचपन में गरीबी को झेलने वाले ढाई दशक में 49.6 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से ऊपर उठाया है । विश्व बैंक की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत ने 2011 से 2023 के बीच अनुमानित 49.6 करोड़ लोगों को 4.20 डॉलर प्रतिदिन वाली निम्न-मध्यम आय वर्ग की गरीबी रेखा से ऊपर उठाया । इस अवधि में इस श्रेणी में आने वाली आबादी का अनुपात 57.7 प्रतिशत से घटकर 16.1 प्रतिशत रह गया ।

बचपन में घोर गरीबी में रहने वाले और जीवनयापन के लिए रेलवे स्टेशन पर चाय बेचने वाले नरेंद्र मोदी ने जब देश के प्रधानमंत्री की जिम्मेदारी संभाली, तो उनके सामने भारत की सबसे बड़ी समस्याओं में से एक थी गरीबी की समस्या थी । करोड़ों लोगों के पास न पक्का मकान था, न बैंक खाता, न शौचालय, न रसोई गैस और न ही बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुंच । ऐसे में प्रधानमंत्री मोदी ने गरीबों को सरकारी योजनाओं के केंद्र में रखते हुए गरीबी से देश को बाहर निकालने का काम शुरू किया । अब इस काम के सुखद परिणाम सामने आने लगे हैं जिसे अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं भी मान रही हैं । महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि अत्यंत गरीबी में रहने वाली आबादी का अनुपात 2011 के 27.1 प्रतिशत से घटकर 2023 में महज 2.6 प्रतिशत रह गया । विश्व बैंक ने भारत की इस प्रगति को दुनिया में गरीबी घटने की सबसे तेज प्रक्रियाओं में से ऐक माना है । यह सब पहले भी संभव थी था लेकिन पीएम मोदी ने जिस तरह मजबूत घरेलू उपभोग, रोजगार में वृद्धि, विशेषकर महिलाओं की बढ़ती रोजगार भागीदारी और खाद्य सब्सिडी सहित सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के जरिए यह काम करने में सफल रहे,कांग्रेस अपने समय में यह सोच नही सकी कि गरीबी दूर भी की जा सकती है ।

विशेष बात यह है कि भारत ने इतनी बड़ी आबादी, व्यापक सामाजिक विविधता और कोविड जैसी वैश्विक महामारी की चुनौतियों के बावजूद निर्धनता कम करने में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है,यह कोई आसान काम नहीं था ।इसके लिए सतत प्रयास की जरूरत थी,भारत को विकसित भारत बनाने के लक्ष्य को हासिल करने का संकल्प था और गरीबी का देश में कम होना संकल्प की सिध्दि है यह सिध्दि हर भारतीय के लि ? गौरव की बात है । यह मोदी सरकार की युगान्तरकारी जन-कल्याण योजनाओं एवं गरीबी उन्मूलन के संकल्पों का ही परिणाम है । इस परिवर्तन के पीछे केवल आर्थिक विकास नहीं, बल्कि विकास को जनकल्याण से जोड़ने की नीति भी महत्वपूर्ण रही है । प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में जनधन योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, स्वच्छ भारत मिशन, हर घर जल, आयुष्मान भारत, मुद्रा योजना और मुफ्त खाद्यान्न वितरण जैसी योजनाओं ने निर्धन परिवारों के जीवन में व्यापक बदलाव लाने का काम किया है ।

पीएम मोदी की इन योजनाओं से गरीबों को आवास, स्वास्थ्य, शिक्षा, स्वच्छता, पेयजल, बिजली, भोजन और वित्तीय समावेशन जैसी बुनियादी ,सुविधाएं मिली तो उनका आत्मविश्वास भी बढ़ा और आज देश के करोड़ो लोग कुछ न कुछ कर रहे है,कुछ न कुछ बना रहे हैं, कुछ न कुछ सीख रहे हैं । पहले गरीब होने का मतलब होता था कि आदमी खुद को असहाय समझता था, वह मानता था कि वह देश के लिए कुछ नहीं कर सकता ।आज गरीब आदमी को भी इस बात का भरोसा है वह अपनी गरीबी दूर सकता है,जब देश के नेतृत्व के साथ ही निचले स्तर के आदमी में भरोसा होता है कि हम देश मे बदलाव ला सकते हैं तो देश में बदलाव 12 साल में होता है और वह दिखता भी है और उसकी विश्व में सराहना भी होती है ।

सात राज्यों की चुनावी जंग, 2029 से पहले मोदी-विपक्ष की अग्निपरीक्षा

स्वदेश कुमार

देश की राजनीति में 2029 का लोकसभा चुनाव दूर है, लेकिन उसकी पटकथा 2027 में लिखी जाएगी। उत्तर प्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड, गोवा, मणिपुर, गुजरात और हिमाचल प्रदेश की 940 विधानसभा सीटें तथा उनसे जुड़ी 132 लोकसभा सीटें सत्ता की ताकत और विपक्ष की विश्वसनीयता परखेंगी। यह केवल सात मुख्यमंत्रियों का चुनाव नहीं, नरेंद्र मोदी की राष्ट्रीय पकड़, योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व, अखिलेश यादव के पीडीए और कांग्रेस की प्रासंगिकता की परीक्षा भी है। इन राज्यों की 940 सीटों में भाजपा के पास 557 विधायक हैं। सहयोगियों के 47 और समर्थन दे रहे 12 निर्दलीयों को जोड़ें तो एनडीए की संख्या 616 है। कांग्रेस के 98 और आम आदमी पार्टी के 101 विधायक हैं, जिनमें अधिकांश पंजाब से हैं। पांच राज्यों में भाजपा, हिमाचल में कांग्रेस और पंजाब में आप की सरकार है। 2024 में भाजपा लोकसभा में 240 सीटों पर सिमटी और केंद्र में सहयोगियों पर निर्भर हुई।



सबसे बड़ा रण उत्तर प्रदेश में होगा। 403 सीटों वाले राज्य में 2022 में भाजपा ने 255 और सपा ने 111 सीटें जीती थीं। 2024 के लोकसभा चुनाव में तस्वीर बदली: सपा 37 सीटों पर पहुंची, भाजपा 33 पर रही और कांग्रेस ने छह सीटें जोड़ीं। यह भाजपा के लिए चेतावनी थी कि मंदिर, राष्ट्रवाद और संगठन के बावजूद स्थानीय असंतोष वोट में बदल सकता है। बेरोजगारी, भर्ती परीक्षाएं, महंगाई, किसान और सामाजिक प्रतिनिधित्व के सवाल चुनावी बहस में रहेंगे। योगी सरकार कानून-व्यवस्था, कल्याणकारी योजनाओं और बुनियादी ढांचे को उपलब्धि बताएगी; विपक्ष पूछेगा कि इनका लाभ किसे मिला। योगी आदित्यनाथ के सामने सत्ता बचाने के साथ लगातार तीसरी बार भाजपा को जीत दिलाने की चुनौती है। हार या कमजोर बहुमत भाजपा के भीतर नेतृत्व और सामाजिक समीकरणों पर सवाल खड़े करेगा। हिंदुत्व और सख्त प्रशासन का संदेश कितना असरदार है, इसका फैसला रोजगार, महंगाई और स्थानीय नाराजगी के बीच होगा। भाजपा को उम्मीदवार चयन, सहयोगियों का सम्मान और बूथ स्तर की शिकायतें संभालनी होंगी।

अखिलेश यादव के लिए 2027, 2024 की बढ़त को स्थायी जनाधार में बदलने की परीक्षा है। पीडीए पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक ने सपा को नई सामाजिक भाषा दी और लोकसभा में भाजपा से आगे पहुंचाया। पिछड़ों के भीतर हिस्सेदारी, दलितों का भरोसा, मुस्लिम प्रतिनिधित्व, उम्मीदवारों की स्वीकार्यता और बूथ प्रबंधन निर्णायक होंगे। अखिलेश को साबित करना होगा कि पीडीए केवल चुनावी गणित नहीं, शासन का ठोस कार्यक्रम है। कांग्रेस के सामने उत्तर प्रदेश में कमजोर संगठन और बड़ी महत्वाकांक्षा का विरोधाभास है । दो विधायकों वाली पार्टी बहुत अधिक सीटें मांगेगी तो सपा से टकराव बढ़ेगा; कम सीटों पर समझौता करेगी तो कार्यकर्ताओं को जवाब देना होगा। 2024 का गठबंधन विधानसभा में उसी तरह वोट हस्तांतरित करा पाएगा, यह तय नहीं। कांग्रेस को सीटों की सौदेबाजी से आगे बढ़कर स्थानीय नेतृत्व, बूथ संगठन और स्पष्ट मुद्दों पर काम करना होगा।

182 सीटों में 2022 में पार्टी ने रिकॉर्ड 156, कांग्रेस ने 17 और आप ने पांच सीटें जीती थीं। रोजगार, किसान, आदिवासी क्षेत्र और स्थानीय नेतृत्व के सवाल विपक्ष के अवसर बन सकते हैं। कांग्रेस को विश्वसनीय चेहरा और जमीनी मौजूदगी चाहिए; आप को पिछला प्रदर्शन दोहराने से आगे बढ़ना होगा। पंजाब में आप के सामने सत्ता बचाने की चुनौती है । 2022 में उसने 117 में से 92 सीटें जीती थीं । अब कानून-व्यवस्था, नशा, कृषि, कर्ज, रोजगार और राज्य की वित्तीय स्थिति पर सरकार से जवाब मांगा जाएगा । 2024 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने सात और आप ने तीन सीटें जीतीं। अकाली दल की वापसी और भाजपा का विस्तार भी समीकरण बदल सकते हैं। आप के लिए सबसे बड़ा खतरा विपक्ष का हमला नहीं, अपने विशाल जनादेश से पैदा हुई अपेक्षाओं का बोझ है।

उत्तराखंड में भाजपा ने 2022 में 70 में से 47 सीटें जीतकर सत्ता परिवर्तन की परंपरा तोड़ी थी। अब पलायन, रोजगार, आपदा प्रबंधन, पर्यावरण और समान नागरिक संहिता पर बहस होगी। गोवा में 40 सीटों की लड़ाई में दलबदल और राजनीतिक विश्वसनीयता बड़े सवाल हैं । 2022 में भाजपा 20 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी बनी; बाद में कांग्रेस के आठ विधायक उसके साथ चले गए। मणिपुर को सामान्य सत्ता संघर्ष की तरह पढ़ना संवेदनहीनता होगी। मई 2023 में शुरू हिंसा में 250 से अधिक लोगों की मौत और हजारों के विस्थापन ने राज्य को गहरी चोट पहुंचाई है। मुख्यमंत्री बदलने और राष्ट्रपति शासन के बाद नई सरकार बनने से संकट खत्म नहीं हुआ। कुकी-जो समुदाय की अलग प्रशासन की मांग, घाटी-पहाड़ का अविश्वास, सुरक्षा और पुनर्वास चुनावी घोषणापत्र से बड़े सवाल हैं । भाजपा को सीटों से आगे शांति और भरोसे की राह दिखानी होगी।

हिमाचल में कांग्रेस सरकार के सामने सत्ता बचाने के साथ आर्थिक दबाव और चुनावी वादे पूरे करने की चुनौती होगी। इसलिए सातों राज्यों के नतीजों को एक ही राष्ट्रीय लहर का प्रमाण मानना भूल होगी। जुलाई 2027 के राष्ट्रपति चुनाव में नए विधायक मतदान करेंगे। उत्तर प्रदेश के एक विधायक के मत का मूल्य 208 है, जो देश में सबसे अधिक है। इसलिए यूपी का जनादेश केवल लखनऊ की सरकार नहीं, राष्ट्रपति निर्वाचन मंडल का संतुलन भी प्रभावित करेगा। हालांकि इन चुनावों से केंद्र सरकार तत्काल नहीं गिरेगी; असर राजनीतिक मनोबल, गठबंधन की सौदेबाजी और 2029 की जमीन पर होगा।

हाल के विधान परिषद चुनावों ने दोनों खेमों को चेताया है । उत्तर प्रदेश में भाजपा वाराणसी की शिक्षक और स्नातक, दोनों सीटें सपा से हार गई, जबकि वहां नौ मंत्रियों और सात विधायकों ने प्रचार किया था । चार राज्यों की 28 सीटों में भाजपा ने 13 और एनडीए ने 16 जीतीं; कांग्रेस को नागपुर में एक जीत मिली और कर्नाटक की चारों सीटें गंवानी पड़ीं। इससे न भाजपा विरोधी लहर साबित होती है, न विपक्ष की वापसी । संदेश है कि संगठन के बावजूद स्थानीय नाराजगी रास्ता बना सकती है ।

भाजपा के पास संसाधन, संगठन, नेतृत्व और सत्ता का लाभ है; विपक्ष के पास असंतोष, स्थानीय मुद्दे और क्षेत्रीय चेहरे । भाजपा के लिए अति आत्मविश्वास, टिकट वितरण और रोजगार जोखिम हैं । विपक्ष के लिए बिखराव, नेतृत्व की प्रतिस्पर्धा और वोट हस्तांतरण सबसे बड़ी बाधाएं हैं । यदि विपक्ष हर राज्य में अलग रणनीति और भरोसेमंद गठबंधन बनाएगा तो मुकाबला कठिन होगा; केवल भाजपा विरोध को एकता समझेगा तो अवसर गंवाएगा ।2027 किसी एक नेता की लोकप्रियता का जनमत संग्रह नहीं होगा । मतदाता सरकारों के काम, उम्मीदवारों, सामाजिक प्रतिनिधित्व, सुरक्षा, रोजगार और रोजमर्रा के अनुभव पर फैसला करेगा । भाजपा को 2024 की चेतावनी याद रखनी होगी और विपक्ष को अपनी पिछली जीत को स्थायी विजय नहीं मानना चाहिए । 940 सीटें सत्ता पक्ष को ताकत परखने और विपक्ष को विश्वसनीयता साबित करने का मौका देंगी। 2029 की राह उसी की आसान होगी जो नारों से आगे बढ़कर जनता के सवालों का जवाब देगा ।

दीपोत्सव: अपने घर के साथ वंचितों के जीवन में भी खुशहाली के दीप जलाने का संकल्प लें

प्रो. डॉ. मनमोहन प्रकाश



भारतीय जनमानस के लिए पाँच दिवसीय दीपोत्सव महज घरों को रोशन करने का उत्सव नहीं है, अपितु यह अंधकार पर प्रकाश, बुराई पर अच्छाई और असत्य पर सत्य की विजय का शाश्वत प्रतीक है। यह पर्व केवल दीप प्रज्वलित कर घर-आँगन को आलोकित करने और हर्षोल्लास मनाने तक भी सीमित नहीं है, बल्कि आत्मावलोकन, सामाजिक समरसता और सामूहिक मंगलकामना का एक महान पर्व भी है। इस अवसर पर प्रत्येक सनातनी हिन्दू परिवार धनतेरस से लेकर भाईदूज तक देवी लक्ष्मी, भगवान गणेश, कुबेर और भगवान धन्वंतरि से सुख, शांति, आरोग्य एवं समृद्धि की कामना करता है। अपने और अपनों के बेहतर भविष्य की आकांक्षा रखना स्वाभाविक भी है, किंतु भारतीय संस्कृति का मूल दर्शन सदैव 'वसुधैव कुटुंबकम्' अर्थात संपूर्ण विश्व को अपना परिवार मानने का रहा है। इस दृष्टि से हमारी मंगल-कामनाएँ तभी वास्तविक अर्थों में सार्थक हो सकती हैं, जब उनमें समाज के प्रत्येक वर्ग के साथ-साथ समूचे जीव-जगत का कल्याण भी समाहित हो।

अतः दीपोत्सव के हर्षोल्लास के बीच हमें उन बस्तियों और अभावग्रस्त चेहरों की ओर भी संवेदनशील दृष्टि डालनी चाहिए, जहाँ आज भी विवशता और आर्थिक तंगी का अंधकार पसरा हुआ है । वास्तव में जब हम अपने घरों को दीपमालाओं से सुसज्जित कर रहे हों, तब उन परिवारों की सुध लेना भी समृद्धशाली भारतीयों का नैतिक दायित्व है, जिनके लिए आर्थिक कठिनाइयों के कारण त्योहार की खुशियाँ अधूरी रह जाती हैं । जरूरतमंदों को वस्त्र, मिष्टान्न, भोजन, मेडिसिन अथवा दैनिक उपयोग की आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराकर हम उनके जीवन में भी प्रसन्नता और आशा का दीपक जला सकते हैं । मेरा मानना है कि व्यक्तिगत समृद्धि का वास्तविक आनंद तभी व्यापक, सार्थक और चिरस्थायी बनता है, जब उसमें सामाजिक सहभागिता, संवेदनशीलता और परोपकार का भाव भी समाहित हो।



हमारी प्रार्थनाओं और मंगलकामनाओं में खेत-खलिहानों की समृद्धि तथा अन्नदाता किसानों की खुशहाली का भाव भी गहराई से जुड़ा होना चाहिए। क्योंकि कृषि प्रधान देश में किसानों की आर्थिक उन्नति और उनके जीवन में खुशहाली की कामना के बिना राष्ट्रीय समृद्धि की कल्पना अधूरी है। इसी प्रकार स्थानीय कारीगरों, छोटे व्यापारियों और स्वदेशी उत्पादों को प्रोत्साहन देकर हम दीपोत्सव को देश की आर्थिक प्रगति, स्थानीय रोजगार और आत्मनिर्भरता का सशक्त माध्यम बना सकते हैं । इस पर्व को पूर्णता प्रदान करने के लिए प्रकृति और पर्यावरण के प्रति संरक्षण भाव भी हमारे संकल्पों का अभिन्न अंग होना चाहिए। वैसे भी इस उत्सव में एक दिन गोवर्धन पर्वत की पूजा के लिए समर्पित है जो प्रकृति के प्रति हमारी कृतज्ञता और संरक्षण के भाव को जागृत करता है। अतः आतिशबाजी के प्रति संयम ; प्रदूषण और स्वच्छता के प्रति सजगता और समझदारी पूर्ण व्यवहार वास्तविक अर्थों में दीपोत्सव नवीन आयम दे सकता है।

आज हम सभी इस तथ्य से भलीभांति परिचित हैं कि सामाजिक सौहार्द और पारस्परिक भाईचारा किसी भी राष्ट्र की सुख-समृद्धि के आधारस्तंभ हैं । जाति, धर्म और वर्ग के संकीर्ण भेदभाव से ऊपर उठकर जब समाज के लोग एक-दूसरे के सुख-दुख तथा तीज-त्योहारों में सहभागी बनते हैं, तभी सामाजिक समरसता सुदृढ़ होती है और वास्तविक विकास एवं स्थायी शांति का मार्ग प्रशस्त होता है।

अतः इस दीपोत्सव पर अपने घर-आँगन को रोशन करने के साथ-साथ समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के जीवन में भी खुशहाली का प्रकाश पहुँचाने का संकल्प लें। हमारी प्रार्थनाओं में गरीब के चेहरे की मुस्कान, किसान की समृद्धि, श्रमिक का सम्मान, प्रकृति का संरक्षण और राष्ट्र की एकता सदैव सम्मिलित होनी चाहिए। आखिरकार, दीपक का महत्व केवल स्वयं जलने में नहीं, बल्कि अपने प्रकाश से आसपास के अंधकार को दूर करने में निहित है। यही दीपोत्सव का वास्तविक संदेश, व्यापक दर्शन और उसकी सच्ची सार्थकता है।

अमेरिकी चुनाव में डेमोक्रेट्स की जीत : भारत के लिए नई कूटनीतिक चुनौती?

सौरभ वार्ष्णेय

अमेरिका के हालिया मध्यावधि चुनावों में डेमोक्रेटिक पार्टी की शानदार वापसी केवल अमेरिकी राजनीति में सत्ता संतुलन बदलने की घटना नहीं है, बल्कि इसका असर वैश्विक राजनीति, आर्थिक नीतियों और भारत-अमेरिका संबंधों पर भी पड़ सकता है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी को दोनों सदनों में झटका देकर डेमोक्रेट्स ने अमेरिकी राजनीति में अपनी ताकत का अहसास कराया है। ऐसे में भारत के लिए यह समझना जरूरी है कि इस राजनीतिक बदलाव को किस नजरिये से देखा जाए और इससे भारत को क्या लाभ या चुनौतियां मिल सकती हैं।

अमेरिका के 3 नवंबर 2026 को हुए मध्यावधि चुनावों के नतीजे राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों के प्रति जनता की नाराजगी का संकेत हैं।

डेमोक्रेटिक पार्टी ने प्रतिनिधि सभा और सीनेट, दोनों में बहुमत हासिल कर रिपब्लिकन पार्टी को बड़ा राजनीतिक झटका दिया है। टेक्सास, जॉर्जिया, ओहायो और आयोवा जैसे राज्यों में डेमोक्रेट्स की जीत ने इस परिणाम को और महत्वपूर्ण बना दिया है। चुनावी नतीजों के पीछे महंगाई, जीवन यापन की बढ़ती लागत, ईरान के साथ युद्ध और सरकार के कामकाज को लेकर मतदाताओं की असंतुष्टि प्रमुख कारण माने जा रहे हैं। अमेरिकी मध्यावधि चुनावों की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इनमें राष्ट्रपति का चुनाव नहीं होता, बल्कि संसद के दोनों सदनों और विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधियों का चुनाव होता है। इसलिए डेमोक्रेट्स की जीत का अर्थ ट्रंप की राष्ट्रपति पद से विदाई नहीं है, लेकिन अब उनके लिए अपनी नीतियों को बिना राजनीतिक विरोध के लागू करना आसान नहीं रहेगा। अमेरिकी लोकतंत्र की यही खूबी है कि वहां सत्ता में बैठी सरकार को भी जनता के फैसले और संसद की निगरानी का सामना करना पड़ता है।

भारत के लिए क्यों महत्वपूर्ण है यह बदलाव ? भारत को इस चुनावी नतीजे को किसी एक राजनीतिक दल की हार या जीत के चश्मे से देखने के बजाय अपने राष्ट्रीय हितों के नजरिये से समझना होगा। अमेरिका के साथ भारत के संबंध पिछले दो दशकों में लगातार मजबूत हुए हैं। राष्ट्रपति जॉर्ज बुश से लेकर बराक ओबामा, डोनाल्ड ट्रंप और जो बाइडेन तक, अलग अलग राजनीतिक विचारधाराओं वाली सरकारों ने भारत के साथ रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाया है। अमेरिकी कांग्रेस में भी भारत के साथ संबंधों को लेकर व्यापक द्विदलीय समर्थन रहा है। इसलिए डेमोक्रेट्स की जीत से भारत-अमेरिका संबंधों की दिशा पूरी तरह बदल जाएगी, ऐसा मानना जल्दबाजी होगी।

हालांकि, इस बदलाव से भारत को कुछ नए अवसर जरूर मिल सकते हैं। पहला अवसर व्यापार और आर्थिक सहयोग का है। पिछले कुछ समय से राष्ट्रपति ट्रंप की टैरिफ नीति भारत और अमेरिका के बीच तनाव का कारण बनी हुई थी। भारतीय उत्पादों पर अतिरिक्त शुल्क लगाने और व्यापारिक शर्तों को लेकर दबाव बनाने की नीति ने भारतीय निर्यातकों की चिंताएं बढ़ाई थीं। अब कांग्रेस में डेमोक्रेट्स के मजबूत होने से



व्यापारिक नीतियों पर अधिक बहस और समीक्षा की संभावना है। इससे भारत को अमेरिकी बाजार में अपने उत्पादों के लिए बेहतर अवसर तलाशने का मौका मिल सकता है। हालांकि, यह उम्मीद करना उचित नहीं होगा कि डेमोक्रेट्स सत्ता में आते ही भारत के प्रति सभी व्यापारिक प्रतिबंध समाप्त कर देंगे। दूसरा महत्वपूर्ण क्षेत्र रक्षा और सामरिक सहयोग है। चीन की बढ़ती सैन्य और आर्थिक ताकत अमेरिका के लिए भी चिंता का विषय है और भारत के लिए भी। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन के प्रभाव को संतुलित करने के लिए भारत अमेरिका का एक महत्वपूर्ण साझेदार है। क्वाड के माध्यम से भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया पहले ही क्षेत्रीय सुरक्षा और सहयोग के मुद्दों पर साथ काम कर रहे हैं। ऐसे में अमेरिकी संसद में डेमोक्रेट्स का प्रभाव बढ़ ? से भारत के साथ रक्षा तकनीक, समुद्री सुरक्षा, खुफिया सूचनाओं के आदान-प्रदान और आधुनिक सैन्य उपकरणों के क्षेत्र में सहयोग को नई गति मिल सकती है।

तीसरा बड़ा क्षेत्र भारतीय पेशेवरों और विद्यार्थियों का है। अमेरिका में लाखों भारतीय मूल के लोग रहते हैं और बड़ी संख्या में भारतीय युवा उच्च शिक्षा तथा रोजगार के लिए वहां जाते हैं। एच-1बी वीजा, स्थायी निवास और आव्रजन नीतियां भारतीय समुदाय के लिए हमेशा महत्वपूर्ण रही हैं। डेमोक्रेटिक पार्टी सामान्यतः आव्रजन सुधारों और कुशल विदेशी पेशेवरों के लिए अवसर बढ़ाने की पक्षधर रही है। इसलिए अमेरिकी संसद में उसकी मजबूती से भारतीय आईटी पेशेवरों, विद्यार्थियों और कुशल कामगारों के हितों पर सकारात्मक चर्चा की संभावना बढ़ सकती है। लेकिन वीजा नीति में वास्तविक बदलाव के लिए राष्ट्रपति प्रशासन और संसद के बीच सहमति जरूरी होगी।

भारत को इस चुनावी परिणाम का एक दूसरा पहलू भी ध्यान में रखना होगा। डेमोक्रेटिक पार्टी की राजनीति में मानवाधिकार, धार्मिक स्वतंत्रता और लोकतांत्रिक संस्थाओं से जुड़े मुद्दों को अपेक्षाकृत अधिक महत्व दिया जाता है। अतीत में डेमोक्रेटिक नेताओं और सांसदों के कुछ बयानों में भारत की आंतरिक परिस्थितियों पर सवाल उठाए गए हैं। इसलिए यह संभव है कि अमेरिकी कांग्रेस में भारत से जुड़े ऐसे मुद्दों पर चर्चा और दबाव बढ़े। भारत को अपनी लोकतांत्रिक व्यवस्था और संवैधानिक संस्थाओं की मजबूती के साथ इन सवालों का तथ्यपरक जवाब देना होगा।

पाकिस्तान के मामले में भी भारत को सतर्क रहने की आवश्यकता है। अमेरिका की विदेश नीति में पाकिस्तान का सामरिक महत्व समय-समय पर बदलता रहा है। आतंकवाद के मुद्दे पर भारत चाहता है कि अमेरिका पाकिस्तान की भूमिका को लेकर किसी प्रकार का दोहरा रवैया न अपनाए। डेमोक्रेटिक पार्टी के सत्ता संतुलन में मजबूत होने से यह जरूरी नहीं कि पाकिस्तान के प्रति अमेरिकी नीति पूरी तरह भारत के अनुकूल हो जाएगी। भारत को आतंकवाद के विरुद्ध अपने पक्ष को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर मजबूती से रखते रहना होगा।

इस चुनाव का सबसे बड़ा राजनीतिक संदेश यह है कि अमेरिका की जनता ने राष्ट्रपति की शक्तियों पर संसदीय निगरानी और संतुलन की आवश्यकता को महत्व दिया है। अब ट्रंप प्रशासन को बजट, कानून, नियुक्तियों और कई महत्वपूर्ण नीतिगत फैसलों में डेमोक्रेट्स के विरोध का सामना करना पड़ सकता है। अमेरिकी कांग्रेस की जांच-पड़ताल और निगरानी भी बढ़ेगी। इससे ट्रंप की एकतरफा फैसले लेने की क्षमता सीमित हो सकती है। लेकिन भारत को यह नहीं भूलना चाहिए कि अमेरिका की विदेश नीति केवल राष्ट्रपति या किसी एक राजनीतिक दल की इच्छा से संचालित नहीं होती। वहां राष्ट्रीय सुरक्षा, चीन के प्रति रणनीति, रक्षा उद्योग और वैश्विक आर्थिक हितों जैसे मुद्दों पर दोनों दलों के बीच कई समानताएं भी हैं। इसलिए डेमोक्रेट्स की जीत को भारत के लिए किसी चमत्कार की तरह देखना उचित नहीं होगा।भारत की सबसे बड़ी ताकत उसकी स्वतंत्र विदेश नीति और रणनीतिक स्वायत्तता होनी चाहिए। उसे अमेरिका के साथ संबंध मजबूत रखने के साथ रूस, यूरोप, जापान और अन्य देशों के साथ भी अपने हितों के अनुरूप सहयोग जारी रखना होगा। किसी एक देश पर अत्यधिक निर्भरता भारत की वैश्विक भूमिका को सीमित कर सकती है। भारत को अमेरिका के साथ व्यापार समझौते, रक्षा तकनीक, ऊर्जा, सेमीकंडक्टर, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और अंतरिक्ष अनुसंधान जैसे क्षेत्रों में अपने हितों को प्राथमिकता देनी चाहिए। दरअसल, अमेरिकी चुनाव का असली संदेश भारत के लिए अवसरों से अधिक कूटनीतिक समझदारी का है। डेमोक्रेट्स की जीत से ट्रंप प्रशासन पर अंकुश लगेगा, लेकिन भारत के लिए असली सफलता इस बात में होगी कि वह बदलते अमेरिकी राजनीतिक समीकरणों के बीच अपने आर्थिक और सामरिक हितों को कितनी मजबूती से सुरक्षित रखता है। भारत को न तो रिपब्लिकन जीत पर जरूरत से ज्यादा उत्साहित होना चाहिए और न ही डेमोक्रेटिक जीत से आशंकित । अंतरराष्ट्रीय संबंधों में स्थायी मित्रता से अधिक स्थायी राष्ट्रीय हित होते हैं । भारत की विदेश नीति का आधार भी यही होना चाहिए कि वाशिंगटन में सत्ता किसी की भी हो, भारत के राष्ट्रीय हित सर्वोपरि रहें ।



क्या आप इंसोमनिया के साथ ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया से भी जूझ रहे हैं

एक ऑस्ट्रेलियाई अध्ययन में 'इंसोमनिया' और 'ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया' के कॉकटेल यानी 'कॉस्मिया' को ज्यादा घातक करार दिया गया है। शोधकर्ताओं ने इसका सामना करने वाले लोगों में हृदयरोगों से मौत का खतरा कई गुना ज्यादा पाया है।

सबसे आम बीमारियां

विशेषज्ञों के मुताबिक 'इंसोमनिया' और 'ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया' नींद से जुड़ी सबसे आम बीमारियां हैं। वैश्विक स्तर पर 10 से 30 फीसदी आबादी के इनके शिकार होने का अनुमान है। बड़ी संख्या में ऐसे पीड़ित भी मौजूद हैं, जिन्हें दोनों की शिकायत होती है।

क्या हैं प्रमुख लक्षण

फ्लिंडर्स यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने बताया कि 'इंसोमनिया' में व्यक्ति को सोने में दिक्कत, बार-बार नींद टूटने और जल्द आंख खुलने की शिकायत सताती है। वहीं, 'ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया' में खर्राटे, गला चोक होने और सांस लेने में तकलीफ की समस्या आम है।

हाइपरटेंशन

डॉ. बेस्टियन लेवत के नेतृत्व में शोधकर्ताओं ने नींद की बीमारियों से जूझ रहे 5000 से अधिक मरीजों के स्वास्थ्य डाटा का विश्लेषण किया। इस दौरान 'कॉस्मिया' के शिकार लोगों में हाइपरटेंशन (उच्च रक्तचाप) का खतरा दोगुना मिला। उनमें हृदयरोगों की आशंका भी 70 फीसदी ज्यादा पाई गई।

असामयिक मौत का खतरा

कॉस्मिया से पीड़ित लोगों के वक्त से पहले मौत का शिकार होने का जोखिम भी 47 फीसदी अधिक दर्ज किया गया है। चूंकि, 'इंसोमनिया' और 'ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया' का कॉकटेल ज्यादा जानलेवा है, इसलिए एक का सामना कर रहे मरीज में दूसरे के लक्षणों पर भी गौर फरमाना जरूरी है।





कोलेस्ट्रॉल कम करेगा अमरूद

कोलेस्ट्रॉल लेवल बढ़ना एक गंभीर समस्या बनता जा रहा है। बहुत से लोग कोलेस्ट्रॉल की समस्या से पीड़ित हैं जिसकी वजह से उन्हें दिल से जुड़े विभिन्न रोगों का सामना करना पड़ रहा है। यह मोम की तरह चिपचिपा पदार्थ होता है, जो खून की नसों में पाया जाता है। इसका निर्माण आपके द्वारा खाए जाने वाले पदार्थों से होता है, साथ ही आपका लीवर भी इसे बनाता है।

शरीर में कोलेस्ट्रॉल लेवल बढ़ने के नुकसान यह हैं कि इससे खून की नसें ब्लॉक हो सकती हैं जिससे ब्लड फ्लो बाधित हो सकता है और आप के लिए दिल के विकारों के साथ दिल के दौरा और स्ट्रोक का जोखिम पैदा हो सकता है। कोलेस्ट्रॉल कम करने के उपाय क्या हैं? नसों में जमा गंदा कोलेस्ट्रॉल कम करने का सबसे अच्छा तरीका हेल्दी डाइट और एक्सरसाइज है। हालांकि मेडिकल में कई दवाएं कोलेस्ट्रॉल कम करने का काम करती हैं। इनके अलावा आप अमरूद जैसे फाइबर से भरपूर फलों को खाकर भी इसे कम कर सकते हैं। चलिए जानते हैं कैसे। एक रिसर्च के अनुसार, सर्दियों का मौसम है और इन दिनों अमरूद खूब बिक रहा है। कोलेस्ट्रॉल लेवल कम करने के लिए आपको अमरूद का सेवन करना चाहिए। यह फल आसानी से कोलेस्ट्रॉल कम कर सकता है। सबसे अच्छी बात यह है कि शरीर में अच्छे कोलेस्ट्रॉल के विकास को बढ़ावा देता है।

कोलेस्ट्रॉल कैसे कम करता है अमरूद

इसी अध्ययन में इस बात के प्रमाण हैं कि फाइबर से भरपूर खाद्य पदार्थ जैसे ओट्स, फल और सब्जियां खाने से शरीर में जमा फैट को कम करने में मदद मिल सकती है। इतना ही नहीं फाइबर से ब्लड लिपिड को कंट्रोल करने में भी मदद मिल सकती है।

रिसर्च में हुआ खुलासा

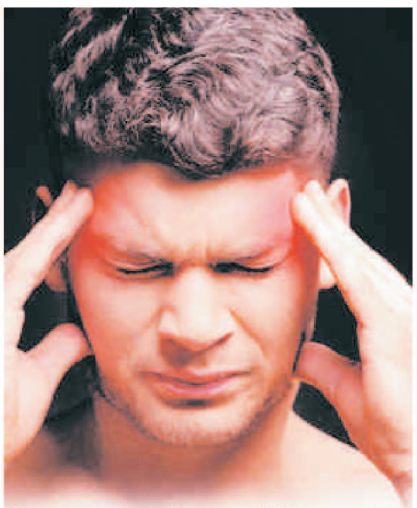
कोलेस्ट्रॉल में अमरूद के फायदे के लिए एक अध्ययन किया गया जिसमें प्रभागियों ने 12 हफ्ते तक अमरूद का सेवन किया। शोधकर्ताओं ने पाया कि इतने दिनों के बाद हाई डेंसिटी वाला लिपोप्रोटीन कोलेस्ट्रॉल, सीरम कुल कोलेस्ट्रॉल, ट्राइग्लिसराइड्स और ब्लड प्रेशर (9.0/8.0 मिमी एचजी) तक कम हो गया था।

अमरूद के पोषक तत्व

देखने में यह एक आम फल है लेकिन स्वास्थ्य और तंदुरुस्ती के लिए इसके बड़े फायदे हैं। यह आहार फाइबर, विटामिन ए, विटामिन सी, नियासिन, थियामिन, राइबोफ्लेविन, कैरोटीन और लाइकोपीन जैसे एंटीऑक्सिडेंट और कैल्शियम, फॉस्फोरस और आयरन जैसे खनिजों से भरपूर है।

पत्ते भी हैं फायदेमंद

बेशक आपको अमरूद पसंद न हो लेकिन इसके फायदे हैरान करने वाले हैं। सबसे बड़ी बात कि इस फल के पते, छाल और फूल भी कई गुणों से भरे हैं। इनका पारंपरिक रूप से कई बीमारियों को ठीक करने के लिए उपयोग किया जाता है।



इन आसान उपायों से मिनटों में दूर होगा सिरदर्द

सिर दर्द स्वास्थ्य समस्याओं में से एक है जो कमोबेश कभी-न-कभी हर किसी को होता रहता है। आम तौर सिर दर्द की समस्या गर्मी के दिनों में ज्यादा परेशान करती है। यह इतना तेज होता है कि बर्दाश्त करना मुश्किल होता है। सिर दर्द को दूर करने के लिए आयुर्वेदिक, होम्योपैथी और एलोपैथी में कई तरह की दवाइयाँ उपलब्ध हैं, लेकिन हर बार इसके लिए दवाईयाँ लेना स्वास्थ्य के लिए सही नहीं होता है। विशेष रूप से एलोपैथी की पैन किलर का प्रभाव शरीर की दूसरी बीमारियों को बढ़ाने का काम कर सकता है। इसलिए आज हम कुछ ऐसे देसी नुस्खे बताने जा रहे हैं जिनको इस्तेमाल करके सिरदर्द की शिकायत को दूर किया जा सकता है।

गर्म पानी में नींबू का रस

आप फटाफट से तैयार होने वाला यह नुस्खा आजमा सकते हैं। इसमें आपको सिर्फ यह करना है कि 1 गिलास में गर्म पानी लीजिए और उसमें नींबू का रस डालकर पी लें। फिर देखिएगा आपको सिर दर्द से कितनी जल्दी राहत मिलती है। कई बार पेट में गैस बनने से भी सिर दर्द होने लगता है। उस स्थिति में भी यह घरेलू उपाय बेहद ही कारगर माना गया है।

लैवेंडर का तेल

लैवेंडर के तेल को सूंघने से आपको सिर दर्द की समस्या से बेहद आराम मिलता है। हाल ही में हुए एक शोध के अनुसार लैवेंडर का तेल माइग्रेन के लक्षणों को भी ठीक करने में मदद करता है। एक टिश्यू पेपर पर लैवेंडर के तेल की कुछ बूँदें डाल लें और फिर उस पेपर को सूंघ लें।

लौंग का इस्तेमाल

तवे पर लौंग की कुछ कलियों को गर्म कर लीजिए। इन गर्म हो चुकी लौंग की कलियों को एक रूमाल में बांध लीजिए। थोड़ी-थोड़ी देर पर इस पोटली को सूंघते रहिए। आप पाएंगे कि सिर का दर्द कम हो गया है। लौंग में दर्द खत्म करने के गुण होते हैं।

एक्यूप्रेशर के द्वारा

सालों से लोग सिर दर्द में राहत के लिए एक्यूप्रेशर का प्रयोग करते आ रहे हैं। सिर दर्द होने की स्थिति में आप अपनी दोनों हथेलियों को सामने ले आइए। इसके बाद एक हाथ से दूसरे हाथ के अंगूठे और इंडेक्स फिंगर के बीच की जगह पर हल्के हाथ से मसाज कीजिए। ये प्रक्रिया दोनों हाथों में दो से चार मिनट तक दोहराइए।

तुलसी

तुलसी मांसपेशियों को आराम देने की तरह काम करती है। थकी हुई मांसपेशियों के कारण होने वाले सिर के दर्द का इलाज करने में तुलसी बेहद लाभदायक होती है। इसके साथ ही इसमें आराम देने और एनाल्जेसिक के प्रभाव भी मौजूद होते हैं। एक कप पानी में सबसे पहले तीन या चार तुलसी की पत्तियों को कुछ मिनट तक उबालने के लिए रख दें। आप इसमें कुछ मात्रा में शहद भी मिलाकर चाय को पी सकते हैं।



एलर्जी के कारण होती है नाक में खुजली

मौसम बदलने से नाक में एलर्जी के कारण खुजली महसूस होने लगती है। इस खुजली की वजह से सांस लेने में कठिनाई महसूस होती है। नाक में एलर्जी किसी बाहरी चीज के सम्पर्क में आने से भी हो सकती है। नाक में खुजली होने के बहुत से कारण हैं, उनमें से कुछ इस प्रकार हैं —

- एक्जिमा के कारण नाक में एलर्जी हो सकती है।
- नेजल एलर्जी या एलर्जिक रायनाइटिस होना।
- अस्थमा होने पर नाक में एलर्जी हो सकती है।
- सिगरेट के धुएं से भी नाक में खुजली होती है।
- नाक में धूल जाने के कारण खुजली हो सकती है।
- परफ्यूम के साइड इफेक्ट से भी नाक में खुजली होती है।
- जेनेटिक कारणों से भी नाक में खुजली महसूस हो सकती है।

घरेलू नुस्खे

नाक में हो रही खुजली को वैसे तो ईएनटी विशेषज्ञों द्वारा दी जाने वाली दवाईयों के जरिये ठीक किया जा सकता है, लेकिन नाक की खुजली को आप घरेलू नुस्खों के जरिये भी सही कर सकते हैं।

शहद और तुलसी- नाक में खुजली की वजह फंगल या बैक्टीरियल इंफेक्शन भी हो सकता है। संक्रमण दूर करने के लिए तुलसी के पत्ते का पेस्ट बना लें। इसमें शहद मिलाएं। इस पेस्ट को गुनगुने पानी के साथ लें। इस मिश्रण का सेवन करने से त्वचा में हो रही खुजली की समस्या भी दूर होती है।

पपीता- पपीते का सेवन करने से रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है। पपीते में ब्रोमलेन नाम का इंजाइम पाया जाता है जिससे नाक की सूजन और खुजली की समस्या दूर होती है। रोजाना पपीता का सेवन न करें। हफ्ते में 3 से 4 बार कर सकते हैं।

हल्दी- हल्दी में करक्यूमिन पाया जाता है। हल्दी का सेवन करने से नाक और त्वचा में खुजली की समस्या दूर होती है। हल्दी को गुनगुने पानी या दूध के साथ ले सकते हैं। गरम दूध या पानी में 1 चम्मच हल्दी मिलाएं। रात में इसका सेवन करने से नाक में हो रही खुजली से निजात मिलेगी। नाक की एलर्जी दूर करने में हल्दी का सेवन फायदेमंद माना जाता है।

काली मिर्च- नाक में खुजली की समस्या दूर करने के लिए काली मिर्च का इस्तेमाल कर सकते हैं। एलर्जी के कारण अगर नाम में खुजली हो रही है, तो काली मिर्च का सेवन फायदेमंद साबित होगा। काली मिर्च में एंटीइंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं। काली मिर्च के साथ शहद मिलाएं। गुनगुने पानी के साथ काली मिर्च और शहद को मिलाकर खाएं।

कपालभाति प्राणायाम- नाक में खुजली होने पर आप कपालभाति प्राणायाम कर सकते हैं। कई बार नाक का रास्ता ब्लॉक होने के कारण खुजली की समस्या होती है। खुजली दूर करने के लिए नाक का रास्ता खुलना जरूरी है। इसके लिए कपालभाति का अभ्यास 15 मिनट के लिए करें। कपालभाति करने के लिए गहरी सांस लें। सांस को अंदर खींचें। फिर सांस छोड़ते हुए पेट को खींचें। नाक में खुजली होने पर एलर्जी टेस्ट किए जा सकते हैं। वैसे तो एलर्जी के लक्षण एक हफ्ते के अंदर ठीक हो जाते हैं। अगर फर्क महसूस न हो, तो डॉक्टर से मिलें।



आप चाहे मानसिक काम अधिक करते हैं या शारीरिक काम। यदि आपको काम करते समय बहुत जल्दी थकान होने लगती है तो इसका एक अर्थ यह होता है कि आपके शरीर में डिहाइड्रेशन की समस्या है। जी हां, केवल पोषण की कमी के कारण ही नहीं बल्कि शरीर में पानी की कमी के कारण भी जल्दी थकान होती है। जो लोग नियमित रूप से जरूरी पानी नहीं पीते हैं, उन्हें काम करते समय अधिक थकान होना और अन्य लोगों की तुलना में जल्दी थकान होने जैसी समस्याएं होती हैं। जानें, जल्दी थकान होने के अन्य कारण और उनके निवारण के तरीके

लगातार बनी रहती है थकान तो ऐसे रखें अपना ध्यान

जल्दी थकने की वजह

- आमतौर पर जो लोग बहुत जल्दी थकान होने की समस्या से पीड़ित होते हैं, उनके शरीर में कुछ खास तत्वों की कमी देखने को मिलती है.
- पानी की कमी
- खून की कमी
- विटमिन-बी12 की कमी
- फोलेट या फॉलिक एसिड की कमी देखने को मिलती है।

जल्दी थकान से बचने के तरीकों में ना केवल अपने खान-पान पर ध्यान देना है बल्कि यह भी ध्यान देना है कि जिस डायट का सेवन आप कर रहे हैं और जिन ड्रिंक्सको आप ले रहे हैं, क्या वे आपके शरीर की जरूरतों को पूरा कर रही हैं। यहां जानें कैसे रखा जाएगा इस बात का ध्यान.

तरल पदार्थों का सेवन

- जल्दी-जल्दी होने वाली थकान की समस्या से बचने के लिए जरूरी है कि आप तरल पदार्थों का सेवन बढ़ा दें। इनमें जूस, सूप, छाछ, दाल इत्यादि शामिल हैं। इसके साथ ही समय-समय सादा पानी पीते रहें। वयस्कों को हर दिन कम से कम 8 गिलास पानी पीना चाहिए।

तनाव को नियंत्रित करना सीखें

- जल्दी थकने की एक बड़ी वजह लगातार बना रहनेवाला तनाव भी होता है। तनाव का कारण चाहे जो भी लेकिन यह व्यक्ति को शारीरिक और मानसिक दोनों तरह से जल्द थका देता है। इसलिए तनाव से बचने के लिए हर दिन कुछ समय के लिए मेडिटेशन यानी ध्यान जरूर करें। यह आपको मानसिक रूप से फिट रखने का काम करेगा।

फलियों का सेवन करें

- हरी फलियां कई तरह की वरायटी में आती हैं। खास बात यह है कि मौसम की प्रकृति और उस दौरान शरीर की जरूरत के अनुसार हर सीजन में आनेवाली फलियां पोषक तत्वों से भरपूर होती हैं।
- हरी फलियां फाइबर युक्त होती हैं और इनका पाचन धीमी गति से होता है। इसलिए ये शरीर को लंबे समय तक ऊर्जा देने का काम करती हैं, जिससे शरीर पर थकान कम हावी होती है।

ड्राईफ्रूट्स

- ऐसा नहीं है कि ड्राईफ्रूट्स का सेवन केवल सर्दियों में ही करना चाहिए। बल्कि सीमित मात्रा में और दूध के साथ ड्राईफ्रूट्स का सेवन गर्मियों में भी हर दिन किया जा सकता है।
- क्योंकि ड्राईफ्रूट्स केवल हमारे शरीर को गर्माहट देने का ही काम नहीं करते हैं बल्कि पोषण देने का काम भी करते हैं। शरीर की कमजोरी को दूर करने में मीट भी अच्छी भूमिका निभाता है। लेकिन कोरोना संक्रमण के दौर में हम आपको मीट खाने की सलाह नहीं देना चाहते हैं। इस समय में आप थकान से बचने के लिए ड्राईफ्रूट्स यानी सूखे मेवों का सेवन कर सकते हैं।



हॉलीवुड और बॉलीवुड दोनों का अपना महत्व है

हॉलीवुड की मशहूर गेम फ्रेंचाइज 'स्ट्रीट फाइटर' पर बनी फिल्म में विद्युत जामवाल धलसिम के किरदार में दिखेंगे। खास बात यह है कि उन्होंने किरदार मिलने से पहले कभी यह गेम नहीं खेला था। एक बातचीत में उन्होंने इसे लेकर खास चर्चा की और टाइगर श्रॉफ के साथ भी एक फिल्म पर बात की...

कभी 'स्ट्रीम फाइटर' गेम खेला था या ये किरदार मिलने के बाद इससे जुड़े?

यह गेम पहले कभी नहीं खेला था। धलसिम के लिए चुने जाने के बाद इसे खेलना शुरू किया। मैं अलग-अलग पार्टनर्स के साथ रोज गेम खेलता था, ताकि हर किरदार को समझ सकूं। कुछ समय के लिए मुझे इसकी आदत-सी हो गई थी। मेरे लिए धलसिम खास है, क्योंकि वह भारतीय योगी है, जो अपनी सांस को भी ताकत की तरह इस्तेमाल करता है। योग और मार्शल आर्ट्स की दुनिया से मेरा जुड़ाव रहा है, इसलिए इस किरदार से जुड़ना स्वाभाविक था।

फिल्म में फाइट्स रियलिटी से ज्यादा बड़ी हैं। आपकी ट्रेनिंग इसमें कैसे काम आई?

इस फिल्म की दुनिया बहुत अलग है। यहां हर चीज बड़ी है और उसी में इसका मजा है। यह ऐसी फिल्म नहीं है, जिसमें हर एक्शन को बिल्कुल रियल दिखाने की कोशिश की गई हो। इसके किरदारों और उनकी ताकतों में कल्पना का बड़ा हिस्सा है। गेम खेलने वाले दर्शक इसे समझेंगे और एंजॉय करेंगे। जिन्होंने गेम नहीं खेला, उनके लिए भी इसमें मनोरंजन है।

टाइगर श्रॉफ के साथ अपनी नई फिल्म को लेकर कुछ बताएं?

टाइगर और मैं एक फिल्म पर काम कर रहे हैं। उसे जानने के बाद मुझे लगा कि हम दोनों में जो क्षमता है, वह बहुत ज्यादा है। जब यह फिल्म आएगी, तो सच में कमाल हो सकता है। आज तक हमें ऐसा डायरेक्टर नहीं मिला, जो हम दोनों को हमारी काबिलियत से भी आगे ले जा सके। मैं चाहता हूं कि हमारी क्षमताओं को समझकर कोई हमें उस स्तर तक लेकर जाए, जहां दर्शकों को कुछ नया देखने को मिले।

हॉलीवुड और बॉलीवुड में काम की प्रोसेस का कितना अंतर महसूस हुआ?

मेरे लिए दोनों की तुलना करना ऐसा है, जैसे कोई पूछे कि दायां हाथ पसंद है या बायां हाथ। दोनों आपके हैं। दोनों का अपना महत्व है और दोनों का मजा लेना चाहिए। शूटिंग के दौरान भी यही सोचता था कि मार्शल आर्ट्स की वजह से यहां तक पहुंचा हूं। अब इम्तिहान का वक्त है और मुझे अपना बेस्ट करना है।

टाइगर के साथ वाली फिल्म से क्या उम्मीदें लेकर चल रहे हैं?

मेरे लिए जरूरी है कि हम अपनी क्षमता का पूरा इस्तेमाल करें। सिर्फ दो एक्शन स्टार्स का साथ आना काफी नहीं है। फिल्म में ऐसा कुछ होना चाहिए, जो हम दोनों को आगे ले जाए। सही सोच और सही डायरेक्शन मिला तो हम बहुत कुछ कर सकते हैं।





'पेड्डी' में अपने किरदार को 'ऑब्जेक्टिफाई' किए जाने को लेकर जाह्नवी ने की बात

फिल्म 'पेड्डी' में अभिनेत्री जाह्नवी कपूर के किरदार को दिखाए जाने के तरीके को लेकर काफी चर्चा हुई। हाल ही में वरुण धवन के साथ 'कॉफी विद करण' में शामिल होने के दौरान, उन्होंने इस स्पोर्ट्स ड्रामा में अपने किरदार को 'ऑब्जेक्टिफाई' किए जाने को लेकर हुई आलोचना पर खुलकर बात की। आलोचना को खारिज करने या चर्चा से बचने के बजाय, जाह्नवी ने इस मामले को एक अलग नजरिए से देखने का फैसला किया। उन्होंने बताया कि उनके किरदार को लेकर हुई चर्चा से शायद अब उन अभिनेत्रियों के प्रति अधिक संवेदनशीलता आएगी, जो अपने चित्रण के कुछ पहलुओं को लेकर असहज महसूस करती हैं। जाह्नवी ने कहा, 'मुझे खुशी है कि 'पेड्डी' में मेरे चित्रण को लेकर इतना बड़ा मुद्दा बना। शायद अगली बार जब कोई अभिनेत्री कहेगी कि वह असहज है, तो लोग उसे किसी एलियन की तरह नहीं देखेंगे। इस विषय पर बात करते हुए, जाह्नवी ने बताया कि वह इस मुद्दे पर बोलने में थोड़ी हिचकिचा रही थी, क्योंकि इस प्रोजेक्ट पर कई लोगों ने कड़ी मेहनत की थी। 'धड़क' फेम अभिनेत्री ने कहा, 'मुझे सच में समझ नहीं आ रहा था कि क्या कहूं या कुछ कहना भी चाहिए या नहीं, लेकिन यह जरूरी था कि जो कुछ भी हुआ, उसमें अपनी जिम्मेदारी मैं खुद लूं। मेरे मन पर इस बात का भारी बोझ था कि इस तरह की चीजों का हमारे समाज पर, खासकर महिलाओं पर, कितना नकारात्मक असर पड़ सकता है। जाह्नवी ने माना कि समाज पर पड़ने वाले संभावित असर को लेकर वह शर्मिंदगी महसूस कर रही थीं। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें लगता है कि वह थोड़ी और सतर्क रह सकती थीं। उन्होंने कहा, 'क्या मैं कुछ और कर सकती थी? क्या मैं और ज्यादा सतर्क रह सकती थी? क्या मैं इस पर कड़ा विरोध जता सकती थी? बिल्कुल, हां। क्या यह समस्याजनक था? क्या यह हद से ज्यादा अभिनेत्री ने बताया कि उन्होंने कई बार खुद से यह सवाल पूछा कि क्या उन्हें शूटिंग के दौरान और अधिक मजबूती से विरोध करना चाहिए था। उन्होंने कहा, 'मैं यह कहना नहीं चाहती, क्योंकि ऐसा लग सकता है कि मैं अपना दोष दूसरों पर डाल रही हूं, लेकिन आप जानते हैं कि चीजें कैसे काम करती हैं। हां, डायरेक्टर जो कहते हैं, आपको प्रोफेशनल बने रहना होता है और उनकी बात माननी पड़ती है।' इसलिए, जैसे-जैसे मुझे चीजें पता चलती गईं, मैं अपनी समझ के हिसाब से यही कोशिश कर रही थी कि चीजों को कम से कम समस्याजनक बनाया जा सके।



वामिका गब्बी ने 'प्रहार- द अनटोल्ड.... में प्रोस्थेटिक्स पहनने के अपने अनुभव को साझा किया

अभिनेत्री वामिका गब्बी ने फिल्म 'प्रहार- द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ उज्वल निकम' में प्रसिद्ध सरकारी वकील उज्वल निकम की पत्नी ज्योति निकम के किरदार निभाया है। अभिनेत्री ने बातचीत में किरदार निभाने के लिए प्रोस्थेटिक्स पहनने के अपने अनुभव को साझा किया। अभिनेत्री ने बताया कि मेकअप चेयर पर बैठे-बैठे अपने चेहरे को बदलते हुए देखना किरदार को और भी ज्यादा वास्तविक महसूस करा रहा था। उन्होंने कहा, 'प्रोस्थेटिक्स के बाद जब मैंने खुद को शीशे में देखा, तो कुछ देर तक तो मैं शीशे में खुद को निहारती रह गई। ये एक बहुत ही अजीब एहसास था, क्योंकि मुझे पता था कि वो मैं ही हूं, लेकिन मैं सामने दिख रहे शख्स को पहचान नहीं पा रही थी। हालांकि, इस पूरे प्रोसेस को मैंने पूरी तरह से इंजॉय किया था।' अभिनेत्री ने आगे कहा, 'मेकअप चेयर पर बैठने के बाद चेहरे को धीरे-धीरे बदलते हुए देखने पर कहीं न कहीं किरदार आपके लिए और ज्यादा असली लगने लगता है। कई बार तो मैं भूल ही जाती थी कि मैं कितनी अलग दिख रही हूं, जब तक कोई मुझे सेट से मेरी फोटो नहीं दिखा देता था।' वामिका गब्बी ने बताया कि ज्योति निकम का किरदार निभाना उनके लिए एक अलग ही एक्सपीरियंस था। उन्होंने कहा, 'ज्योति निकम का किरदार निभाना मेरे लिए एक बहुत ही अलग अनुभव था और मुझे खुशी है कि मुझे एक्टिंग के उस पहलू को एक्सप्लोर करने का मौका मिला, जिसे मैंने पहले कभी अनुभव नहीं किया था।' ज्योति निकम का किरदार उज्वल निकम (राजकुमार राव द्वारा निभाया गया किरदार) के पेशेवर और निजी जीवन के बीच के तालमेल को दर्शाता है। जब उज्वल निकम देश के सबसे चर्चित मामलों (जैसे 26/11 मुंबई हमले) की कानूनी लड़ाई लड़ रहे होते हैं, तब ज्योति निकम का किरदार उनके पीछे के पारिवारिक दबावों, संघर्ष और मानवीय पहलू को पर्दे पर उतारता है। बताया जाता है कि वामिका गब्बी ने इस किरदार को निभाने से पहले वास्तविक जीवन की ज्योति निकम से मुलाकात की थी, ताकि वह उनके सफर और उनके योगदान को गहराई से समझ सकें।

सैफ स्टारर अगली फिल्म से अलग हुईं प्रियंका चोपड़ा



प्रियंका चोपड़ा एक बार फिर भारतीय फिल्म को लेकर चर्चा में हैं। वह सैफ अली खान के साथ एक नई फिल्म में नजर आने वाली थीं। इस फिल्म का निर्देशन रितेश बत्रा करने वाले हैं। फिल्म का नाम अभी तय नहीं हुआ है और इसे पुराने समय की कहानी पर आधारित बताया जा रहा है। हालांकि, अब प्रियंका इस फिल्म का हिस्सा नहीं हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक... 'पहले से तय काम और शूटिंग की डेट्स में तालमेल नहीं बैठ पाने के कारण उन्हें इस फिल्म से अलग होना पड़ा है। प्रियंका के इस फिल्म से अलग होने की खबर ऐसे समय में सामने आई है, जब 21 अक्टूबर को मुंबई में इसकी शूटिंग शुरू हो गई है। बताया जा रहा है कि फिल्म बनाने वाली टीम ने डेट्स में बदलाव करने की कोशिश भी की। कोशिश थी कि किसी तरह प्रियंका की व्यस्तताओं और फिल्म की शूटिंग के बीच तालमेल बैठाया जा सके लेकिन दोनों पक्षों की कोशिशों के बाद भी कोई रास्ता नहीं निकल पाया। इसके बाद प्रियंका को फिल्म से अलग होना पड़ा।

इंडो-रशियन ड्रामा फिल्म से इंटरनेशनल डेब्यू करने जा रही हैं सैयामी खेर

अभिनेत्री सैयामी खेर अपनी अपकमिंग इंडो-रशियन ड्रामा फिल्म से इंटरनेशनल डेब्यू करने जा रही हैं। अभिनेत्री का मानना है कि अलग-अलग संस्कृतियों के साथ काम करने से कहानी कहने का एक अलग नजरिया मिलता है। अपने अनुभव को शेयर करते हुए सैयामी खेर ने कहा, 'यह मेरे लिए बिल्कुल अलग और नया अनुभव था। पूरी तरह से विदेशी क्रू के साथ काम करना मजेदार अनुभवों में से एक था। हमने रूस में शूटिंग की और यह पहली बार था जब मैं वहां गई थी।' अभिनेत्री ने मॉस्को की तारीफ करते हुए बताया कि वहां पर काम करने का अनुभव भारत के मुकाबले अलग था। उन्होंने कहा, 'फिल्म का पूरा अनुभव शानदार रहा। वहां काम करने का माहौल मेरे अब तक के अनुभव से काफी अलग था और मुझे इस फिल्म का हिस्सा बनकर बहुत मजा आया। मुझे उम्मीद है कि आने वाले समय में ऐसे कई और इंटरनेशनल प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बनूंगी।' उन्होंने कहा, 'भाषा और सीमाओं से परे जाकर काम करना बहुत मजेदार होता है। अलग-अलग संस्कृतियों के साथ काम करने से कहानी कहने का एक अलग नजरिया मिलता है और आपको उन लोगों से सीखने का मौका मिलता है जो अपने-अपने अनोखे अंदाज में सिनेमा को देखते हैं। यह एक शानदार अवसर था जिसका हिस्सा बनकर मैं खुद को खुशकिस्मत मानती हूं। हालांकि अभी फिल्म के बारे में ज्यादा जानकारी देना जल्दबाजी होगी लेकिन यह एक ड्रामा फिल्म है जिसके केंद्र में एक मजबूत महिला किरदार है।' कार्तिना एंटरटेनमेंट, व्हाइट नाइट फिल्म्स और विश मीडिया द्वारा निर्मित यह फिल्म एक क्रॉस-कल्चरल सहयोग है, जो एक दमदार ड्रामा के जरिए सिनेमा की सार्वभौमिक भाषा को दर्शाती है। फिल्म का निर्देशन निर्देशक मैक्विसम कुजनेत्सोव कर रहे हैं।



बच्चों की नजर से दुनिया को देखना बेहद खूबसूरत है

एक्ट्रेस रसिका दुग्गल इन दिनों अपनी नई फिल्म 'लिटिल थॉमस' को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने हिंदी सिनेमा में फिल्मों के बदलते अंदाज पर बात की और कहा कि आज टेक्नोलॉजी ने फिल्ममेकर्स के लिए कई रास्ते खोल दिए हैं, लेकिन इसके बावजूद रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़ी सरल कहानियों की अपनी खास अहमियत है। रसिका ने कहा, ''आज टेक्नोलॉजी ने फिल्ममेकर्स को कई तरह की रास्ते दिए हैं। ऐसे में फिल्मों में बड़े स्तर और भव्यता पर जोर देना स्वाभाविक है। लेकिन कभी-कभी इस सबके बीच हम ऐसी कहानी की खूबसूरती भूल जाते हैं, जो सरल हो, लेकिन सतही न हो।'' उन्होंने फिल्म के डायरेक्टर कौशल ओझा के फिल्म बनाने के अंदाज की तारीफ करते हुए कहा कि उनका शांत और सहज तरीका उन्हें दूसरों से अलग बनाता है। उनकी कहानी कहने के अंदाज में एक अलग तरह का भरोसा नजर आता है। उनकी फिल्मों को दर्शकों से जुड़ने के लिए किसी भव्य सेट या उलझी हुई कहानी की जरूरत नहीं होती। एक्ट्रेस ने आगे कहा, ''कहानी कहने के उनके अंदाज में यह भरोसा है कि किसी फिल्म को दर्शकों से जुड़ने के लिए हमेशा भव्य माहौल या पेचीदा कहानी की जरूरत नहीं होती। कभी-कभी सबसे साधारण विचार ही सबसे दिलचस्प कहानियां बन जाते हैं, क्योंकि वे जिंदगी के हमारे अपने अनुभवों और नजरिए को दिखाते हैं।'' रसिका ने कहा, ''फिल्म 'लिटिल थॉमस' में एक बच्चे की जिज्ञासा और भाई-बहन की चाहत के जरिए परिवार, बचपन, शादीशुदा जिंदगी के उतार-चढ़ाव और लिबरलाइजेशन के बाद के भारत की कहानी दिखाई गई है। फिल्म में थॉमस नाम का एक बच्चा यह जानना चाहता है कि बच्चे कहां से आते हैं। साथ ही, वह अपने लिए एक भाई या बहन भी चाहता है। उसकी यही जिज्ञासा कहानी को आगे बढ़ाती है।'' रसिका ने कहा, ''मुझे लगता है कि इन सभी बातों को एक बच्चे की नजर से देखना बेहद खूबसूरत है। यह हमें याद दिलाता है कि हमें बच्चों की जिज्ञासा को कम नहीं आंकना चाहिए और न ही उनके सवालों को नजरअंदाज करना चाहिए। मुझे उम्मीद है कि हम ऐसी फिल्में बनाते रहेंगे, जो अपने विचारों की ताकत पर भरोसा करती हैं और रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़ी साधारण कहानियों को भी अपनी जगह देती हैं।'' कौशल ओझा के निर्देशन में बनी 'लिटिल थॉमस' को अनुराग कश्यप का समर्थन मिला है। फिल्म में रसिका दुग्गल के साथ गुलशन देवैया और हृदांश पारेख भी अहम भूमिकाओं में हैं।

विकास कार्यों का कलेक्टर ने किया निरीक्षण, निर्माण कार्यों में तेजी लाने के दिए निर्देश

जिला अस्पताल के सामने प्रस्तावित शिव वाटिका और पुराने जिला चिकित्सालय परिसर में पब्लिक गार्डन की योजना का लिया जायजा

नई दृष्टिबिंदु / कवर्धा

कवर्धा शहर को सुव्यवस्थित, स्वच्छ, सुंदर और नागरिक सुविधाओं से युक्त बनाने के उद्देश्य से शहर में विभिन्न विकास एवं सौंदर्यीकरण के कार्य किए जा रहे हैं। इन कार्यों की प्रगति और गुणवत्ता का जायजा लेने के लिए कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति ने शुक्रवार को शहर के विभिन्न निर्माणाधीन एवं प्रस्तावित विकास स्थलों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों से कार्यों की वर्तमान स्थिति, निर्माण की प्रगति और आगामी कार्ययोजना की जानकारी ली। उन्होंने सभी कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा करने के निर्देश दिए। इस दौरान नगर पालिका अध्यक्ष चन्द्र प्रकाश चंद्रवंशी उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने जिला अस्पताल के सामने प्रस्तावित शिव वाटिका के स्थल का निरीक्षण



किया। उन्होंने स्थल की उपलब्धता और प्रस्तावित विकास कार्यों के संबंध में जानकारी ली। इसके साथ ही पुराने जिला चिकित्सालय परिसर में प्रस्तावित पब्लिक गार्डन के स्थल का भी जायजा लिया। उन्होंने शहरवासियों को बेहतर सार्वजनिक स्थल और हरियाली उपलब्ध कराने के उद्देश्य से इन स्थलों के विकास की योजना को व्यवस्थित रूप से आगे बढ़ाने के निर्देश दिए।

लगभग सवा दो करोड़ की लागत से बन रही चौपाटी का काम अंतिम चरण में

कलेक्टर श्रीमती प्रजापति ने नगर पालिका कार्यालय के सामने निर्माणाधीन चौपाटी का निरीक्षण किया। लगभग सवा दो करोड़ रुपये की लागत से तैयार हो रही यह चौपाटी निर्माण के अंतिम चरण में है। उन्होंने निर्माण कार्यों की प्रगति का अवलोकन करते हुए शेष कार्यों को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। चौपाटी के विकसित होने से शहरवासियों को खानपान और परिवार के साथ समय बिताने के लिए एक व्यवस्थित सार्वजनिक स्थल उपलब्ध हो सकेगा।

10.73 करोड़ के गौरव पथ निर्माण का लिया जायजा

कलेक्टर श्रीमती प्रजापति ने राजनांदगांव बायपास से नवीन बाजार तक लगभग 10.73 करोड़ रुपये की लागत से निर्माणाधीन गौरव पथ का निरीक्षण किया। उन्होंने सड़क निर्माण की प्रगति और संबंधित कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्माण कार्य में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने तथा निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिए। गौरव पथ के निर्माण से शहर की यातायात व्यवस्था और आवागमन को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी।

समनापुर स्थित ओल्ड एसएलआरएम केंद्र का निरीक्षण

कलेक्टर ने समनापुर स्थित पुराने एसएलआरएम (सॉलिड लिक्विड रिसोर्स मैनेजमेंट) केंद्र का भी निरीक्षण किया। उन्होंने केंद्र की वर्तमान स्थिति और संचालन से संबंधित जानकारी ली। उन्होंने ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन व्यवस्था को बेहतर बनाने तथा उपलब्ध संसाधनों का उपयोग सुनिश्चित करने के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए।

गौधाम के संचालन के लिए गांवों में घास उत्पादन की बनेगी व्यवस्था

शहर में स्थापित गौधाम का निरीक्षण करते हुए कलेक्टर ने गोवंश के लिए चारा और घास की नियमित उपलब्धता सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि आसपास के गांवों में उपयुक्त भूमि का चिन्हांकन कर उसे घास उत्पादन के लिए आरक्षित कराया जाए। इससे गौधाम सहित गांवों में गोवंश के लिए चारे की उपलब्धता सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि गौसेवा के कार्यों में रुचि रखने वाले इच्छुक गौसेवक भी इस पहल से जुड़कर अपना योगदान दे सकते हैं। इसके लिए गांवों में उपलब्ध भूमि का बेहतर उपयोग करते हुए घास उत्पादन को प्रोत्साहित किया जाए, ताकि गौवंश के लिए चारे की व्यवस्था निरंतर बनी रहे।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्रीमती प्रजापति ने कहा कि शहर के विकास से जुड़े सभी प्रस्तावित और निर्माणाधीन कार्यों को नागरिकों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर आगे बढ़ाया जाए। सार्वजनिक स्थलों के विकास, बेहतर सड़क सुविधा, स्वच्छता व्यवस्था और गौवंश संरक्षण से जुड़े कार्यों में विभागीय समन्वय के साथ तेजी लाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान एसडीएम श्री चेतन साहू, नगर पालिका सीएमओ श्री नारायण साहू उपस्थित रहे।

खास खबर

दीपावली महोत्सव पर 8 नवंबर को कवर्धा पहुंचेंगे स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती, रणवीरपुर से कवर्धा तक होगा भव्य स्वागत



नई दृष्टिबिंदु / कवर्धा

शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती का छत्तीसगढ़ की पावन धरा पर छह दिवसीय दीपावली महोत्सव के लिए आगमन हो चुका है। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी शंकराचार्य छत्तीसगढ़ प्रवास के दौरान रायपुर, बिलासपुर, सिमगा, बेमेतरा एवं कबीरधाम सहित विभिन्न स्थानों पर भक्तों को दर्शन एवं पूजन का सौभाग्य प्रदान करेंगे। शंकराचार्य का 5 नवंबर को रायपुर आगमन हुआ, जहां से वे बिलासपुर के लिए रवाना हुए। बिलासपुर के चिचिरदा स्थित ब्रह्मलीन द्वितीपीठाधीश्वर शंकराचार्य के कृपापात्र शिष्य हरीश शाह के फार्म हाउस कुंज कुटीर में उनका प्रवास निर्धारित है। यहां उनके आगमन पर भव्य स्वागत किया गया तथा धनतेरस पूजन का कार्यक्रम संपन्न होगा।

7 नवंबर को सिमगा स्थित सपाद लक्षेश्वर धाम में दर्शन : 7 नवंबर को प्रातः 9 बजे शंकराचार्य बिलासपुर के चिचिरदा से सिमगा स्थित सपाद लक्षेश्वर धाम, शंकराचार्य आश्रम ग्राम सलधा के लिए प्रस्थान करेंगे। यहां दंडी स्वामी श्रीमद् ज्योतिर्मयानंद द्वारा पादुका पूजन किया जाएगा। इस अवसर पर श्रद्धालुओं को पूज्यश्री के दर्शन एवं आशीर्वाद प्राप्त करने का अवसर मिलेगा।

8 नवंबर को भव्य बाइक रैली के साथ होगा कवर्धा आगमन : 8 नवंबर को प्रातः 9 बजे शंकराचार्य सपाद लक्षेश्वर धाम से देवरबीजा, थान खम्हरिया होते हुए रणवीरपुर पहुंचेंगे। यहां भक्तों द्वारा भव्य बाइक रैली के साथ उनका स्वागत किया जाएगा। इसके पश्चात सिल्हाटी, सहसपुर लोहारा एवं ओढ़िया होते हुए उनका कवर्धा आगमन होगा। कवर्धा पहुंचने पर शंकराचार्य के मीडिया प्रभारी अशोक साहू के निज निवास पर पादुका पूजन का आयोजन किया जाएगा। तत्पश्चात ह्वविशाला धर्म ध्वज चौकछ में नवीन धर्म ध्वज स्थापित किया जाएगा। इसके बाद पूज्यश्री ज्योतिर्मठ के सीईओ चंद्रप्रकाश उपाध्याय के निवास पहुंचेंगे, जहां उपाध्याय परिवार द्वारा उनका स्वागत किया जाएगा। यहां भी श्रद्धालुओं को पूज्यश्री के दर्शन एवं आशीर्वाद प्राप्त होंगे।

महाकाली जन्मोत्सव एवं रात्रि में भव्य महालक्ष्मी पूजन : 8 नवंबर को शाम 6 बजे से लक्ष्मी पूजन प्रारंभ होगा। रात्रि 11:45 बजे पूज्यश्री काली मंदिर के लिए प्रस्थान करेंगे, जहां महाकाली जन्मोत्सव के अवसर पर विशेष पूजन-अर्चन करेंगे। रात्रि 12:15 बजे पुनः शंकरा भवन, शांतिदीप कॉलोनी पहुंचेंगे। यहां पूरी रात्रि महालक्ष्मी पूजन एवं अभिषेक का कार्यक्रम होगा। इस दौरान श्रद्धालु पूजन एवं अभिषेक के दर्शन कर सकेंगे।

9 नवंबर को टाटीकसा में गोवर्धन पूजा में होंगे शामिल : 9 नवंबर को प्रातः 9 बजे पूज्यश्री चरडोंगरी स्थित यदुनाथ गौशाला पहुंचकर गौपूजन करेंगे। इसके पश्चात ग्राम टाटीकसा पहुंचकर गोवर्धन पूजा के धार्मिक आयोजन में शामिल होंगे। कार्यक्रम के उपरांत उनका पुनः कवर्धा आगमन होगा तथा शंकरा भवनम्, शांतिदीप कॉलोनी में प्रवास रहेगा। मीडिया प्रभारी अशोक साहू ने बताया कि स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी दीपावली महोत्सव मनाने के लिए छत्तीसगढ़ पहुंचे हैं। उनके आगमन से क्षेत्र के श्रद्धालुओं एवं धर्मप्रेमियों में विशेष उत्साह और हर्ष का वातावरण है।

स्टेशनपारा रेलवे अंडरब्रिज निर्माण के चलते ओवरब्रिज से भारी वाहनों की आवाजाही बंद, केवल दुपहिया को छूट

राजनांदगांव। निर्माणाधीन स्टेशनपारा रेलवे अंडरब्रिज के कार्य को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन ने बड़ा फैसला लिया है। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी जितेंद्र यादव ने जनसुरक्षा और सुगम यातायात के मद्देनजर राजनांदगांव-खैरागढ़ मार्ग स्थित रेलवे ओवरब्रिज से दुपहिया वाहनों को छोड़कर अन्य सभी प्रकार के भारी व चार पहिया वाहनों के आवागमन पर आगामी आदेश तक पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है। उल्लेखनीय है कि शुक्रवार, 6 नवंबर को रेलवे, लोक निर्माण विभाग (सेतु), राजस्व, नगर पालिक निगम और यातायात पुलिस के अधिकारियों ने लेवल क्रॉसिंग क्रमांक 460 का संयुक्त निरीक्षण किया था। निरीक्षण प्रतिवेदन के आधार पर सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए ओवरब्रिज पर ट्रैफिक डाइवर्ट करने का आदेश जारी किया गया।

कवर्धा के किसान को मुख्यमंत्री साय ने भेजा दीपावली का संदेश

मुख्यमंत्री ने किसान ओंकार साहू को भेजी विष्णु के पाती

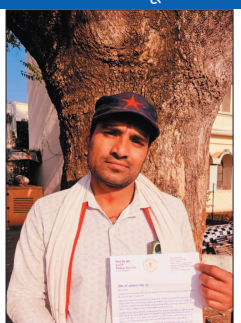
नई दृष्टिबिंदु / कवर्धा

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की ओर से दीपावली पर मिला आत्मीय संदेश किसान ओंकार साहू के परिवार के लिए खास बन गया है। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत सौर ऊर्जा अपनाने वाले कवर्धा के रामनगर निवासी ओंकार साहू को मुख्यमंत्री ने विष्णु का पाती भेजकर शुभकामनाएं दी हैं। पत्र में मुख्यमंत्री ने खेती-किसानी के साथ सौर ऊर्जा अपनाने की उनकी पहल की सराहना करते हुए इसे आर्थिक आत्मनिर्भरता और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया है।

मुख्यमंत्री ने अपने पत्र में लिखा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पीएम सूर्य घर योजना से सौर ऊर्जा का लाभ परिवारों तक पहुंच रहा है। स्वच्छ ऊर्जा का उपयोग न केवल आर्थिक बचत करता है, बल्कि आसपास के वातावरण को बेहतर बनाने में भी सहायक है। उन्होंने ओंकार साहू के परिवार की सुख-समृद्धि और बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना भी की है।

सोलर पैनल लगाकर बिजली बिल किया शून्य

खेती-किसानी से जुड़े ओंकार साहू ने 28 अप्रैल 2025 को प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत अपने घर में 3 किलोवाट क्षमता का सोलर पैनल स्थापित कराया। इसके लिए उन्होंने कुल 1 लाख 90 हजार रुपये खर्च किए, जिसमें उन्हें 1 लाख 8 हजार रुपये की सब्सिडी मिली। उन्होंने बताया कि सोलर पैनल लगवाने से पहले उनके घर का हर महीने लगभग 1 हजार से 1500 रुपये तक बिजली बिल आता था, लेकिन अब सोलर ऊर्जा से घर की बिजली जरूरतें पूरी हो रही हैं और उनका बिजली बिल शून्य हो गया है।



खपत से ज्यादा बिजली बन रही, ग्रिड में भेजकर मिले 9 हजार रुपए

ओंकार साहू ने बताया कि सोलर पैनल से घर की जरूरत से अधिक बिजली का उत्पादन हो रहा है। उपयोग के बाद बची बिजली विद्युत ग्रिड में भेजी जा रही है। इस अतिरिक्त बिजली के बदले अब तक करीब 9 हजार रुपए का आर्थिक लाभ मिल चुका है। यानी अब वे केवल बिजली की खपत करने वाले उपभोक्ता नहीं, बल्कि अतिरिक्त बिजली का उत्पादन कर ग्रिड को देने वाले उत्पादक भी बन गए हैं।

आर्थिक बचत के साथ पर्यावरण संरक्षण में भी योगदान

ओंकार साहू का कहना है कि प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना उनके परिवार के लिए काफी लाभकारी साबित हुई है। पहले जहां हर महीने बिजली बिल के रूप में राशि खर्च करनी पड़ती थी, वहीं अब बिजली बिल शून्य हो गया है। इसके साथ ही अतिरिक्त बिजली ग्रिड में भेजने से आर्थिक लाभ भी मिल रहा है। उन्होंने कहा कि सौर ऊर्जा अपनाना आर्थिक रूप से फायदेमंद होने के साथ पर्यावरण संरक्षण के लिए भी जरूरी है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का विष्णु का पाती मिलना उनके लिए गर्व और प्रसन्नता का विषय है।

अब मोबाइल एप्प से मिलेगा खाद, टोकन और क्यूआर कोड से होगा उर्वरक वितरण

जिले में किसानों को रासायनिक उर्वरक पारदर्शी, सुगम और निर्धारित दर पर उपलब्ध कराने के लिए फ्रेमवर्क फॉर फर्टिलाइजर सेल (एफएफएस) व्यवस्था लागू की गई है। इस नई व्यवस्था के तहत अब किसानों को मोबाइल एप्प से जनरेट टोकन एवं क्यूआर कोड के माध्यम से खाद का वितरण किया जाएगा। जिले के सभी विकासखंडों में इस प्रणाली के तहत उर्वरक का उठाव प्रारंभ हो गया है। नई व्यवस्था के अनुसार किसानों को एफएफएस मोबाइल एप में अपनी कृषि भूमि का रकबा और बोई गई फसल का विवरण दर्ज करना होगा। इसके बाद आवश्यक उर्वरक की मात्रा और विक्रेता का चयन कर टोकन एवं क्यूआर कोड के माध्यम से खाद प्राप्त कर सकेंगे। किसान अपनी सुविधा के अनुसार नजदीकी सहकारी समिति अथवा निजी उर्वरक विक्रेता से खाद ले सकेंगे। इस डिजिटल व्यवस्था से उर्वरक की मांग, उपलब्धता, निर्धारित दर पर बिक्री और वितरण का पूरा रिकॉर्ड ऑनलाइन संधारित होगा। इससे किसानों को खाद प्राप्त करने में सुविधा मिलेगी और वितरण प्रणाली में पारदर्शिता आएगी। साथ ही उर्वरकों की कालाबाजारी, अवैध भंडारण और अनियमित वितरण पर प्रभावी नियंत्रण करने में भी मदद मिलेगी।

ग्राम ढाबा में वित्तीय समावेशन संतृप्ति अभियान के तहत विशेष जागरूकता शिविर आयोजित



नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक शाखा तुमड़ीबोड़ (क्षेत्रीय कार्यालय राजनांदगांव) द्वारा डोंगरगांव विकासखंड के ग्राम ढाबा स्थित पंचायत परिसर में वित्तीय समावेशन संतृप्ति अभियान के अंतर्गत एक विशेष जागरूकता एवं जनभागीदारी शिविर का सफल आयोजन किया गया। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग सुविधाओं और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की पहुंच को बढ़ाना रहा। नक्शे देखें

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय रिजर्व बैंक रायपुर के डीजीएम प्रदीप गोंधुले उपस्थित थे। शिविर में 100 से अधिक ग्रामीणों एवं हितग्राहियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दौरान अतिथियों और बैंक अधिकारियों ने ग्रामीणों को वित्तीय रूप से सशक्त बनाने और सुरक्षित लेनदेन के तौर-तरीकों की विस्तार से जानकारी दी। शिविर के दौरान ग्रामीणों को विभिन्न शासकीय और बैंकिंग योजनाओं से अवगत कराया गया, जिनमें प्रमुख हैं।

सामाजिक सुरक्षा योजनाएं: प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना और अटल पेंशन योजना।

केवाईसी और नामांकन: रे-केवाईसी, सीकेवाईसी तथा बैंक खातों में नॉमिनेशन (नामांकन) की आवश्यकता और इसके महत्व पर जोर दिया गया।

साइबर सुरक्षा: मनी म्यूल और डिजिटल फ्रॉड से बचाव के लिए साइबर वित्तीय जागरूकता संबंधी दिशा-निर्देश दिए गए।

सुरक्षित डिजिटल लेनदेन की अपील

अधिकारियों ने ग्रामीणों से बैंकिंग सेवाओं से अधिक से अधिक जुड़ने, अपने बैंक खातों की केवाईसी अपडेट रखने और सुरक्षित डिजिटल लेनदेन अपनाने का आह्वान किया।

आयोजन के दौरान छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक क्षेत्रीय कार्यालय राजनांदगांव के क्षेत्रीय प्रबंधक आशीष सिंह, एफआई मैनेजर अरविंद द्विवेदी एवं अनिल रजक, तुमड़ीबोड़ शाखा प्रबंधक अमित कुमार, अधिकारी मयंक कुमार, ग्राम पंचायत के सरपंच, सचिव, अन्य जनप्रतिनिधि तथा बैंककर्मी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

पशु चिकित्सा पॉलीटेक्निक राजनांदगांव में विद्यार्थियों ने ली सत्यनिष्ठा की शपथ

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

पशु चिकित्सा पॉलीटेक्निक राजनांदगांव में विद्यार्थियों को ईमानदारी, नैतिकता एवं पारदर्शिता के प्रति जागरूक करने तथा भ्रष्टाचार मुक्त समाज के निर्माण में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सत्यनिष्ठा शपथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों एवं संस्थान के अधिकारी-कर्मचारियों ने सत्यनिष्ठा की शपथ लेकर जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में ईमानदारी एवं कर्तव्यनिष्ठा के साथ कार्य करने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम का आयोजन सहायक प्राध्यापिका डॉ. श्वेता जैन के नेतृत्व में किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को भ्रष्टाचार के दुष्प्रभावों के संबंध में जानकारी देते हुए बताया गया कि भ्रष्टाचार देश की आर्थिक, सामाजिक एवं राजनीतिक प्रगति में एक बड़ी



बाधा है। भ्रष्टाचार मुक्त समाज के निर्माण के लिए प्रत्येक नागरिक की सक्रिय सहभागिता आवश्यक है। विद्यार्थियों ने भ्रष्टाचार के उन्मूलन में सहयोग देने, कानून के शासन का पालन करने तथा अपने सभी कार्यों को पारदर्शिता एवं निष्पक्षता के साथ संपादित करने की शपथ ली। साथ ही न रिश्वत लेने और न ही रिश्वत देने तथा सार्वजनिक हित को सर्वोपरि रखने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर विद्यार्थियों ने अपने व्यक्तिगत एवं व्यावसायिक जीवन में सत्यनिष्ठा, ईमानदारी एवं नैतिक मूल्यों का पालन करने तथा भ्रष्टाचार की किसी भी घटना की जानकारी संबंधित एजेंसी को देने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। कार्यक्रम में शिक्षण सहायक डॉ. विनिता वासनिक, डॉ. सरिता सहित संस्थान के अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे तथा उन्होंने भी सत्यनिष्ठा की शपथ ग्रहण की। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में नैतिक मूल्यों, सामाजिक उत्तरदायित्व एवं ईमानदारी की भावना विकसित करना तथा उन्हें भविष्य में एक जिम्मेदार नागरिक एवं कर्तव्यनिष्ठ पेशेवर के रूप में समाज और राष्ट्र के विकास में योगदान देने के लिए प्रेरित करना था।

0 गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश

अपर मुख्य सचिव ऋचा शर्मा ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विभागीय योजनाओं की समीक्षा

नई दृष्टिबिंदु / बालोद

छत्तीसगढ़ शासन के पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की अपर मुख्य सचिव श्रीमती ऋचा शर्मा द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के सभी जिला पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों की बैठक लेकर विभागीय योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में जिले ने विभिन्न विकास संकेतकों में उल्लेखनीय प्रदर्शन करते हुए अपनी अग्रणी स्थिति दर्ज कराई है। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुनील कुमार चन्द्रवंशी सहित विभिन्न योजनाओं के सहायक परियोजना अधिकारी एवं समस्त जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी उपस्थित रहे। समीक्षा बैठक में दिए गए दिशा-निर्देश के परिपालन में जिला पंचायत सीईओ ने अपने अधीनस्थ अधिकारियों को शासन की मंशानुरूप समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण कार्यवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक में अपर मुख्य सचिव द्वारा मुख्यमंत्री



आवास योजना के तहत निर्माणाधीन सभी आवासों को उच्च गुणवत्ता के साथ शीघ्रता से पूर्ण कराने के निर्देश दिए गए। योजना के अंतर्गत निरस्त किए गए आवासों को नियमानुसार तत्काल रि-मांड करने तथा प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के प्रगतिरत आवासों को तय समय-सीमा में पूरा करने पर विशेष जोर दिया गया। इसके साथ ही ग्राम सभा द्वारा विभिन्न कारणों से अपात्र चिन्हित किए गए हितग्राहियों के आवासों को नियमानुसार निरस्त करते हुए यथाशीघ्र विलोपित करने की कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।

वीबी जीरामजी एवं ग्रामीण विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए आगामी दिसंबर माह से अधिक से अधिक जरूरतमंद श्रमिकों को रोजगार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। बैठक में अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि विकसित ग्राम पंचायत प्लान की कार्ययोजना अत्यंत प्रभावी ढंग से तैयार की जाए तथा जिले को प्राप्त लक्ष्य के अनुरूप शत-प्रतिशत व्यय समय पर सुनिश्चित किया जाए। इसके अतिरिक्त रिक्त स्वीकृत पदों पर भर्ती प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण करने, कार्यों की गुणवत्ता व पूर्णता हेतु शासन द्वारा जारी एसओपी का कड़ाई से पालन करने और श्रमिकों के मजदूरी भुगतान में समयबद्धता का विशेष ध्यान रखने को कहा गया।

स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के द्वितीय चरण के अंतर्गत स्वीकृत समस्त कार्यों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। बैठक में विशेष रूप से तरल अपशिष्ट प्रबंधन के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु सोकपिट, मैजिक पिट तथा सामुदायिक शौचालयों के गुणवत्तापूर्ण निर्माण पर विशेष ध्यान केंद्रित करने को कहा गया।

जिले में आजीविका गतिविधियों को बढ़ावा देने हेतु आशा नीति के प्रावधानों के अनुरूप जिला एवं विकासखंड स्तर पर प्रबंधन समितियों का गठन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। जिला स्तर पर कलेक्टर की अध्यक्षता में तथा विकासखंड स्तर पर गठित समिति के माध्यम से इन केंद्रों का नियमित संचालन, प्रभावी पर्यवेक्षण और समन्वय स्थापित किया जाएगा। इसके साथ ही कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, उद्योग एवं हथकरघा जैसे संबंधित विभागों के साथ नियमित संयुक्त बैठकें आयोजित कर विभागीय समन्वय के साथ ग्रामीण उत्पादों को बेहतर बाजार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। बैठक के उपरांत जिला पंचायत सीईओ सुनील कुमार चन्द्रवंशी ने सभी जनपद सीईओ एवं विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता वाली इन जनकल्याणकारी योजनाओं का क्रियान्वयन पूरी पारदर्शिता, तत्परता और संवेदनशीलता के साथ सुनिश्चित किया जाए।



संजय उवाच

प्रो. संजय द्विवेदी

एसआईआर से कौन डरता है ?

देश में इन दिनों भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को विवादग्रस्त बनाने के जतन जोरों पर हैं। विपक्ष यह आख्यान(नरेटिव) गढ़ रहा है कि इसके द्वारा मतदाताओं को मताधिकार से वंचित किए जाने के सचेतन प्रयास हो रहे हैं।

सवाल यह है कि देश में एसआईआर पहली बार हो रहा है ? क्या मतदाता सूची का परीक्षण नहीं होना चाहिए ? क्या एक व्यक्ति के कई वोट वो भी कई स्थानों पर स्वीकार्य हैं ? क्या मृतकों और स्थानांतरित जनों के वोट काटे नहीं जाने चाहिए ? जाहिर तौर पर इसका एक ही उत्तर है हां। फिर इस प्रक्रिया पर इतनी हायतौबा क्यों है। क्यों इस प्रक्रिया पर विपक्ष हमलावर है और भाजपा खामोश है। क्या अब तक प्रतिपक्ष की सरकारें किन्हीं संदिग्ध वोटों के सहारे बनती आ रही हैं। यह कैसे पता कि जिनके वोट कट रहे हैं वो किसी खास दल के वोटर हैं या किसी खास व्यक्ति के मतदाता हैं। मतदान वैसे भी गुप्त होता है। हमें नहीं पता होता कि नागरिक कब और किसे वोट देगा। इसीलिए इसे जनता जनार्दन कहा गया और उनके फैसले को जनादेश कहकर संबोधित किया जाता है।

स्वस्थ और जीवंत लोकतंत्र के लिए पारदर्शी चुनाव व्यवस्था अपरिहार्य है। चुनाव प्रक्रिया को पाक साफ बनाने की पहली शर्त है कि त्रुटिरहित दोषमुक्त मतदाता सूची तैयार है। यह अभियान उसी के तहत चुनाव आयोग ने चलाया। यह समय की जरुरत है और समय-समय पर यह होता रहा है। यह निरंतर प्रक्रिया है। इसमें बूथलेवल के कर्मचारी, अधिकारी (बीएलओ) घर-घर जाकर मतदाताओं का भौतिक सत्यापन करते हैं। किसी भी देश में पलायन, स्थानांतरण, शहरीकरण, मृत्यु, एक ही व्यक्ति के कई स्थानों पर नाम होने जैसे अनेक विषय हैं। अगर समय-समय पर चुनाव आयोग इस प्रक्रिया को नहीं करता तो गहरे संकट खड़े हो सकते हैं। सूचियों में गड़बड़ी संभव है। यह एक तरह से हेल्थ चेकअप जैसा ही है। इसके लाभ की ओर ध्यान देने की जरुरत है। हमारे देश में हर नागरिक के वोट की समान कीमत है, यानि एक वोट। यह समानता तभी संरक्षित होगी जब एक व्यक्ति का एक ही वोट होगा। कई बार विविध कारण से एक व्यक्ति का वोट कई स्थानों पर दर्ज हो जाता है। एसआईआर ऐसे ही दुहराव को रोकने की प्रक्रिया है। ताकि किसी भी मतदाता के पास अनुचित रुप से एक से अधिक वोट करने की संभावना समाप्त हो जाए। इसी तरह मृत और स्थायी रुप से स्थानांतरित मतदाताओं के नाम हटाना भी जरूरी है। एसआईआर यह सुनिश्चित करता है कि सूची में केवल जीवित और वर्तमान में वहां निवासरत मतदाताओं के नाम हों।

इसके साथ ही नए और योग्य मतदाता जो 18 साल की आयु पूरी कर चुके हों, उनका समावेश भी सूची में हो। उन्हें पंजीकरण के लिए अवसर मिलता है। इस सूची अधिक समावेशी हो जाती है। चुनावी शुचिता और जनविश्वास को बढ़ाने वाली यह प्रक्रिया क्यों विवादों में आ गयी यह समझ से परे है। जबकि इस दौर में अनेक दलों ने अलग-अलग राज्यों में जीत दर्ज की है। ऐसे में यह मानना की इससे किसी खास दल को मदद मिल रही सोचना नासमझी है। धांधली और फर्जी मतदान रोकना इस प्रक्रिया से ही संभव है। यह पारदर्शिता किसी भी जनतंत्र को ताकवर और जवाबदेह बनाती है। निर्वाचन आयोग ने भी इस प्रक्रिया को बहुत सहजता से संचालित किया। घर-घर सत्यापन के लिए अधिकारी गए ताकि नागरिकों पर अनावश्यक दस्तावेजों का बोझ न बढ़े। साथ ही दावे, आपत्तियों को भी स्वीकारने के लिए पर्याप्त समय दिया गया। जिससे गलती से भी कोई नागरिक न रह जाए।

सही मायनों में यह मात्र राजनीतिक और प्रशासनिक प्रक्रिया न होकर यह देश के चुनावी स्वास्थ्य को ठीक रखने के लिए किया जा रहा शुद्धि यज्ञ है। हमें पता है कि साफ-सुथरे चुनाव ही लोकतंत्र की आत्मा हैं। एक त्रुटिविहीन मतदाता सूची उन चुनावों का आधार है। देश हित में ऐसे प्रयासों को स्वागत किया जाना चाहिए। देश की इतनी बड़ी आबादी को शामिल करते हुए चुनाव कराना आसान काम नहीं है। भारत का चुनाव आयोग इसलिए दुनिया भर में आश्चर्य की



तरह देखा जाता है। इस विशाल चुनाव प्रक्रिया और दूरदराज फैले देश में हर जगह तक पहुंच आसान नहीं है। बावजूद इसके केंद्र और सभी राज्य शासन के अधिकारियों-कर्मियों के भरोसे यह काम संपन्न होता है।

चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्थाओं को विवाद में घसीटने से पहले तथ्यों को जान लेना जरूरी है। एक अंग्रेजी दैनिक की खबर के आधार पर हंगामा करने वालों को यह जान लेना चाहिए कि हकीकत क्या है? आयोग ने अपनी आधिकारिक सफाई में भी यह कहा है कि सभी निर्णय सामूहिक और सहमति से लिए गए हैं। वैसे भी किसी संस्था में नीतिगत फैसले से पहले अलग-अलग विचार, सुझाव और आंतरिक टिप्पणियां प्रक्रिया का हिस्सा हैं। इस स्वाभाविक और लोकतांत्रिक प्रक्रिया को विवादों का विषय बनाकर देश में अराजकता पैदा करने के जतन किए गए। कुछ चुनिंदा नोट्स और शुरूआती असहमतियों को लेकर पूरे परिदृश्य को न समझना विपक्ष के पूर्वग्रह को ही प्रकट करता है। चुनावी शुचिता और मतदाताओं की छंटनी चुनाव आयोग की जिम्मेदारी है। वह अपने कार्य की प्रक्रिया निर्धारित करने के लिए स्वतंत्र संस्था है। दो दशकों से या लंबे समय से सूचियों में मृत, स्थानांतरित लोगों या नामों का दुहराव स्वाभाविक है।

आम तौर पर लोग इतने जागरूक नहीं वे स्वप्रेरणा से अपने मृतक परिजनों के नाम हटवाएं। अपनी और परिजनों के स्थानांतरण की सूचना और सूची परिवर्तन करवाएं। ऐसे में व्यापक दुहराव संभव है। यह सारा कुछ पारदर्शी चुनाव की जरूरत है। बावजूद इसके चुनाव आयोग की प्रक्रिया में ही यदि कोई वैध मतदाता रह गया है, तो वे पुनः नाम जोड़ने के लिए चल विशेष अभियान में यह प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं। दस्तावेजों और फार्म -7 के दुरुपयोग पर लगाम लगाने के लिए खास उपाय किए गये हैं। हमें पता है इसके तहत नाम कटवाने के आवेदन दिए जाते हैं। इसे रोकने के लिए सख्त नियम बनाए गये हैं। झूठे घोषणा पत्र देने वालों पर कानूनी कार्रवाई की संस्तुति भी की गई है। पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए डिजिटल और टेक्स्ट सर्च करने योग्य सूचियां उपलब्ध कराई जा रही हैं। इससे हर स्तर पर विसंगतियों को देखा और रोका जा सकता है। ऐसी फुलप्रूफ प्रक्रिया में भी कुछ गलतियां स्वाभाविक हैं, जिनका प्रतिशत न्यूनतम है। यथास्थिति को बनाए रखने से सुधार संभव नहीं है। आखिर क्या कारण है कि विपक्ष मतदाता सूचियों के शुद्धिकरण अभियान के लिए कोई रचनात्मक सुझाव नहीं दे रहा है, बल्कि उसकी मांग पुरानी सूचियों पर ही चुनाव कराने की है। इससे ही विपक्ष की नीयत का पता चलता है। हाल में ही केरल में हुए एस आई आर की कांग्रेस नेताओं ने तारीफ की थी। चुनाव में कांग्रेस को विजय मिली। अब वही कांग्रेस सरकार केरल की विधानसभा में चुनाव आयोग के विरुद्ध प्रस्ताव पास कर रही है। ऐसे राजनीतिक पाखंडों से लोकतंत्र को कमजोर ही किया जा रहा है। इसी तरह बंगाल में हिंसामुक्त चुनाव कराने के लिए वहां के कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने चुनाव आयोग की प्रशंसा की थी। ऐसे में वर्तमान में पैदा किया जा रहा 'नरेटिव' सिर्फ रणनीतिक कदम है, जिससे सिर्फ सरकार पर दबाव बनाया जा सके। एक नकली मुद्दे के आधार लोगों को गोलबंद करने की कोशिशें अंततः ध्वस्त होंगी, इसमें दो राय नहीं है। देश की जनता को नाहक मुद्दों में फंसाकर संवैधानिक संस्थाओं की प्रक्रिया को विवादों में घसीटने के प्रयास उचित नहीं कहे जा सकते।

(लेखक भारतीय जन संचार संस्थान- आईआईएमसी, के महानिदेशक रहे हैं।)

जुए के खिलाफ दुर्ग पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 12 प्रकरणों में 48 जुआरी पकड़े, 83,410 जप्त



दुर्ग। दुर्ग पुलिस ने अवैध जुए के खिलाफ व्यापक कार्रवाई करते हुए 12 अलग-अलग प्रकरणों में 48 व्यक्तियों पर कार्रवाई की है। पुलिस ने जुआरियों के कब्जे से कुल 83,410 रुपए नगद और 12 ताश की गड्डियां जप्त की हैं। यह कार्रवाई नेवई, मोहन नगर, खुसीपार, धमधा, अमलेश्वर, उतई, नंदिनी और बोरी थाना क्षेत्रों में की गई।

वहीं नेवई थाना क्षेत्र में सार्वजनिक स्थान पर धारदार हथियार लेकर दहशत फैला रहे आरोपी शंभु विभार उर्फ उडिया (38) को गिरफ्तार कर आर्म्स एक्ट 25, 27 के तहत कार्रवाई की गई है। उसके पास से लोहे का चापड़ जप्त हुआ है। जुआरियों में प्रवीण मरकाम, नुहर यादव, धर्मेंद्र देवांगन, ओमप्रकाश यादव सहित अन्य शामिल हैं। दुर्ग पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि जुआ और अवैध गतिविधियों की सूचना तत्काल पुलिस को दें।

शक्कर के लिए तरसे राशनकार्डधारी, नंबर बदलने से बढ़ी मुसीबत : अरुण वोरा



नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

दीपावली से पहले सरकारी राशन दुकानों में अव्यवस्था से हितग्राही परेशान हैं। शक्कर नहीं मिलने और राशनकार्ड नंबर बदलने से लोगों को भटकना पड़ रहा है। पूर्व विधायक अरुण वोरा ने भाजपा सरकार पर सवाल उठाए हैं। वोरा ने बताया कि सहायक खाद्य अधिकारी के अनुसार पिछले चार महीनों से राशन दुकानों में शक्कर उपलब्ध ही नहीं है। दीपावली पर जिन परिवारों की मिठास राशन की शक्कर पर निर्भर है, वे परेशान हैं।

उन्होंने राशनकार्ड क्रमांक बिना सूचना बदले जाने पर भी आपत्ति जताई। पुराना नंबर बदलने से मशीन में कार्ड नहीं लग रहा और हितग्राहियों को आधार कार्ड लेकर दोबारा दुकान आना पड़ रहा है। वोरा ने मांग की कि शक्कर की उपलब्धता तत्काल सुनिश्चित की जाए और नए क्रमांक की जानकारी के लिए सरल व्यवस्था बनाई जाए। पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेश शर्मा ने भी सरकार से जनता की परेशानियों का जवाब मांगा।

दोहरे हत्याकांड में आरोपी को मिली दो बार आजीवन कारावास

निरीक्षक पारस पटेल की उत्कृष्ट विवेचना आई काम, 19 गवाहों और वैज्ञानिक साक्ष्यों ने खोली आरोपी की करतूत

नई दृष्टिबिंदु / जांजगीर चांपा

जिले के नवागढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम भठली में कीटनाशक मिली शराब पिलाकर दो लोगों की हत्या करने के सनसनीखेज मामले में न्यायालय ने आरोपी को दो बार आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। इस गंभीर दोहरे हत्याकांड में तत्कालीन थाना प्रभारी निरीक्षक पारस पटेल की सूक्ष्म विवेचना, मजबूत साक्ष्य संकलन और प्रभावी पुलिस कार्रवाई ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

प्रकरण के अनुसार, शराब बिक्री को लेकर सुंदरलाल कुर्रे से हुए विवाद के चलते आरोपी ने 6 मार्च 2025 को देशी शराब की शीशी में कीटनाशक मिलाकर सुंदरलाल के घर पहुंचाई थी। सुंदरलाल द्वारा शराब पीने से मना करने पर आरोपी ने वहां मौजूद सीताराम लहरे और रोहित कुमार तेंदुलकर को वह शराब दे दी। जहरीली शराब का सेवन करने से दोनों की



तबीयत बिगड़ गई। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

मामले की विवेचना तत्कालीन थाना प्रभारी निरीक्षक पारस पटेल द्वारा गंभीरता और सूक्ष्मता के साथ की गई। विवेचना के दौरान घटनाक्रम से जुड़े महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाए गए। कीटनाशक के डिब्बे सहित अन्य महत्वपूर्ण सामग्री जब्त की गई तथा एफएसएल रिपोर्ट को साक्ष्य के रूप में शामिल किया गया। अभियोजन पक्ष ने न्यायालय के समक्ष 19 गवाहों के बयान और वैज्ञानिक एवं परिस्थितिजन्य साक्ष्य प्रस्तुत किए। इन साक्ष्यों के आधार पर आरोपी के विरुद्ध अपराध संदेह से परे प्रमाणित हुआ।

इस दोहरे हत्याकांड में निरीक्षक पारस पटेल की उत्कृष्ट विवेचना और पुख्ता साक्ष्य संकलन निर्णायक साबित हुए। पुलिस की प्रभावी कार्रवाई और अभियोजन पक्ष की सशक्त पैरवी के परिणामस्वरूप न्यायालय ने आरोपी को दो बार आजीवन कारावास की सजा सुनाई। यह मामला दर्शाता है कि गंभीर अपराधों में निष्पक्ष, वैज्ञानिक और तथ्यपरक विवेचना अपराधियों को सजा दिलाने में कितनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

सूने मकान में लाखों की चोरी करने वाले गिरोह के 4 आरोपी गिरफ्तार, 3.79 लाख का मशरुका बरामद

रायपुर। पुलिस कमिश्नरेट रायपुर, नॉर्थ जोन के थाना खमतराई पुलिस ने सूने मकान का ताला तोड़कर लाखों के जेवरात और नगदी चोरी करने वाले गिरोह के 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 3.79 लाख रुपये का मशरुका बरामद किया गया है, जिसमें 3.50 लाख के सोने-चांदी के जेवरात और 29 हजार रुपये नगद शामिल है। प्रार्थी सीताराम गुप्ता 19 अक्टूबर को दशहरा मनाने परिवार सहित अपने गृहग्राम मऊगंज (मप्र) गए थे। 2 नवंबर को लौटने पर घर का ताला टूटा मिला और अलमारी से करीब 7.50 लाख के जेवरात व नकदी चोरी हो चुकी थी। डीसीपी नॉर्थ श्रीमती दीपमाला कश्यप के निर्देशन में थाना खमतराई पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सागर मलिक, मनीष साहू, राहुल उर्फ ओमप्रकाश निर्मलकर और चेतन निषाद को गिरफ्तार किया। आरोपियों ने रॉड से ताला तोड़कर चोरी करना स्वीकार किया।

त्योहारों पर दुर्ग पुलिस का सख्त सुरक्षा प्लान, 100 से अधिक जवान तैनात



नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग



आगामी त्योहारों के मद्देनजर दुर्ग पुलिस ने व्यापक सुरक्षा व्यवस्था तैयार की है। एसएसपी के निर्देश पर 100 से अधिक पुलिस अधिकारियों-कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। स्पेशल बाज टीम के 50 से अधिक जवान बाइक से लगातार पेट्रोलिंग करेंगे।

सभी थाना क्षेत्रों में अलग-अलग स्पेशल बास्केटिंग बनाकर क्षेत्रवार जिम्मेदारी तय की गई है सरफा बाजार सहित प्रमुख मार्केट और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में आम स्वाडाट और आर्म्स गार्ड तैनात किए गए हैं। वे संदिग्ध व्यक्तियों और गतिविधियों पर नजर रखेंगे। बाजारों में चोरी, लूट, छिनतई रोकने अतिरिक्त बल भी लगाया गया है। कॉलोनियों और आवासीय क्षेत्रों में भी नियमित पेट्रोलिंग होगी। त्योहारों पर बढ़ने वाले यातायात दबाव को देखते हुए ट्रैफिक पुलिस की विशेष तैनाती की गई है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक और राजपत्रित अधिकारियों ने विभिन्न क्षेत्रों का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया और नियमित मॉनिटरिंग करेंगे। दुर्ग पुलिस ने नागरिकों और व्यापारियों से सतर्क रहने, सीसीटीवी चालू रखने और संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को देने की अपील की है।

दीपावली पर यातायात सुचारू रखने निगम की समझाइश, सड़क पर दुकान न बढ़ाने की हिदायत

भिलाई। दीपावली पर्व को देखते हुए नगर पालिक निगम भिलाई ने शहर की यातायात व्यवस्था सुचारू बनाए रखने के लिए बाजारों में दुकानदारों को समझाइश देना शुरू कर दिया है। निगम की टीम प्रमुख मार्गों और बाजारों में जाकर सड़क किनारे दुकान और पसरा लगाने वालों को निर्देशित कर रही है कि वे सामान सड़क तक फैलाकर न रखें और निर्धारित सीमा के भीतर ही व्यापार करें। साथ ही दुकानदारों से कहा जा रहा है कि वे ग्राहकों को दुकान के सामने सड़क पर वाहन खड़ा करने से रोकें, ताकि आवागमन बाधित न हो। दीपावली पर बाजारों में भारी भीड़ रहती है, बेतरतीब पार्किंग और अतिक्रमण से जाम और हादसे की आशंका बनी रहती है। निगम प्रशासन ने सभी व्यापारियों से सड़क और फुटपाथ खाली रखने और सहयोग की अपील की है।







"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100